CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 278 ता. 16 अप्रेल 2021, शुक्रवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

एंबुलेंस में बुजुर्ग पिता को कोरोना से तड़पता देख लाचार बेटे की गुहार- अस्पताल में बेड दो वरना इंजेक्शन देकर मार दो

मुंबई। कोरोना वायरस के कहर ने लोगों को लाचार बना दिया है। देश में कोरोना के केस इतने बढ़ रहे हैं कि पैसे रहते हुए भी लोगों को न तो बेड मिल पा रहा है और न ही ऑक्सीजन। महाराष्ट्र में कोरोना का सबसे भयवाह मंजर उस वक्त देखने को मिला, जब एक बुजुर्ग कोरोना मरीज के लाचार बेटे ने सरकार से दर्दनाक गुहार लगाई है। 24 घंटे के भीतर महाराष्ट्र और तेलंगाना के कई अस्पतालों का चक्कर लगाने वाले बुजुर्ग मरीज के बेटे सागर किशोर नाहरशेट्टीवर ने थक हारकर गुहार लगाई कि या तो उनके पिता के लिए अस्पताल में बेड मुहैया कराई जाए या फिर उन्हें इंजेक्शन देकर मार दिया जाए। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, एंबुलेंस में पिता को कहरता देख सागर किशोर नाहरशेट्टीवर ने कहा, ना तो बेड मिल रहा है और गाड़ी का ऑक्सीजन भी खत्म हो रहा है। अगर यहां बेड मुहैया नहीं करा सकते तो कम से कम इंजेक्शन देकर मार ही डालो। न तो मैं इन्हें घर ले जा सकता और न यहां बेड मिल रहे। एंबुलेंस में अपने पिता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, मैं कल तीन बजे से ही चक्कर काट रहा हूं। मैं सबसे पहले वरोरा अस्पताल गया और उसके बाद फिर चंद्रपुर में भी गया। उसके बाद प्राइवेट अस्पताल भी गया, मगर कहीं भी बेड नहीं मिला। करीब एक बजे रात को मैं तेलंगाना के लिए निकला और फिर सुबह तीन बजे तेलंगाना पहुंचा। वहां भी कोई बेड नहीं मिला। उसके बाद हम सुबह में वापस आए। तब से यहां बेड मिलने का इंतजार कर रहा हूं। उनका कहना है कि एंबुलेंस में पिता की हालत बिगड़ रही है, क्योंकि अब ऑक्सीजन भी खत्म होने वाला है। उन्होंने कहा कि अगर मेरे पिता को बेड नहीं मिल सकता तो इंजेक्शन देकर मार ही डालो। बता दें कि चंद्रपुर में भी कोरोना से हालत भयावह है। सोमवार को 24 घंटे के भीतर 850 कोरोना केस सामने आए थे वहीं छ लोगों की मौत हुई थी।

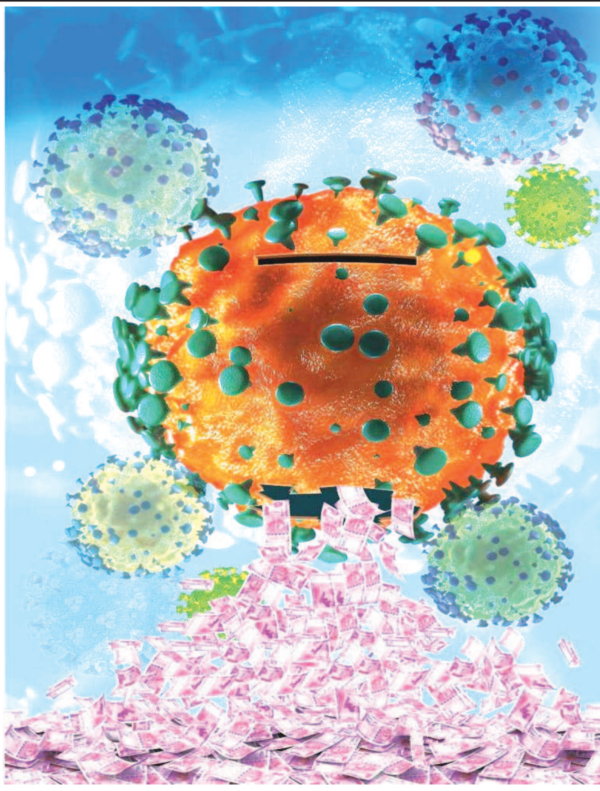

दूसरी लहर में 'डबल अटैक' वाले वेरिएंट से मचा कहर

ज्यादातर मरीजों की हालत हो रही गंभीर

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संकट एक बार फिर गहरा गया है। देश में हर रिकॉर्ड तोड़ते नए मामलों के बीच एक डराने वाली खबर यह भी आई है कि महाराष्ट्र में संक्रमण के कुल 361 नमूनों में से 61 प्रतिशत में डबल म्यूटेशन यानी दोहरे उत्परिवर्तन का पता चला है। पिछले कुछ हफ्तों में कोरोना संक्रमण के मामलों में आई भीषण तेजी के पीछे इस डबल म्यूटेशन को भी बड़ी वजह बताया जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जब भारत में टीकाकरण अभियान भी तेजी से चलाया जा रहा है। आइए बताते हैं आपको इस दोहरे म्यूटेशन के बारे में

क्या है डबल म्यूटेंट वायरस?

यह वायरस का वो रूप है, जिसके जीनोम में दो बार बदलाव हो चुका है। वैसे वायरस के जीनोमिक वेरिएंट में बदलाव होना आम बात है। दरअसल वायरस खुद को लंबे समय तक प्रभावी रखने के लिए लगातार अपनी जेनेटिक संरचना में बदलाव लाते रहते हैं ताकि उन्हें मारा न जा सके।

शरीर में बढ़ जाता है वायरल लोड-कई बार म्यूटेशन के बाद वायरस पहले से कमजोर हो जाता है लेकिन कई बार म्यूटेशन की यह प्रक्रिया वायरस को काफी खतरनाक बना देती है। ऐसे में

वायरस हमारे शरीर की किसी कोशिका पर हमला करते हैं तो कोशिका कुछ ही घंटों के अंदर वायरस की हजारों कॉपीज बना देती है। इससे शरीर में वायरस लोड तेजी से बढ़ता है और मरीज जल्दी ही बीमारी की गंभीर अवस्था में पहुंच जाता है।

मार्च के अंत में भारत के नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने एक नए वेरिएंट 'डबल म्यूटेंट' की जानकारी दी थी। महाराष्ट्र, दिल्ली और पंजाब से लिए गए सैम्पल में इस वेरिएंट की पहचान की गई। हालांकि, बुधवार को झारखंड के कई सैंपलों में भी डबल म्यूटेंट मिलने की पुष्टि हुई है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का कहना है कि ये नए 'डबल म्यूटेंट' वेरिएंट इतनी मात्रा में नहीं मिले हैं कि कहा जाए कि इसकी वजह से देशभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

इम्यूनिटी पर होगा असर?

इस बात के अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं कि डबल म्यूटेंट से इम्यूनिटी पर कोई असर पड़ता है या नहीं। अभी तक यह भी जानकारी नहीं है कि भारत में कुल कितने लोग इस दोहरे बदलाव वाले वायरस से संक्रमित हैं। चूंकि, कोरोना की दूसरी लहर हर दिन तेजी से फैल रही है, इसलिए एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसके पीछे डबल म्यूटेंट वायरस ही सबसे बड़ी वजह हो सकती है। एक्पर्ट्स का मानना है कि डबल म्यूटेंट वायरस न सिर्फ तेजी से फैल रहा है बल्कि इससे मरीज की स्थिति भी गंभीर हो रही है जिससे अस्पताल में भर्ती होने वाले लोग बढ़ते जा रहे हैं।

हर महीने 78 लाख यूनिट तक तैयार होगी रेमडेसिविर, 6 कंपनियों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर के उत्पादन में बढ़ोत्तरी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। दवा का उत्पादन करने वाली छह कंपनियों को प्रतिमाह दस लाख इंजेक्शन अतिरिक्त उत्पादन के लिए मंजूरी दी गई है। जबकि 30 लाख इंजेक्शन प्रतिमाह उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। इंजेक्शन बनाने वाली कुल सात कंपनियों की मौजूदा क्षमता 38.80 लाख प्रतिमाह है। नई क्षमता के शुरू होने से 78 लाख से अधिक इंजेक्शन प्रतिमाह तैयार हो सकेंगे। उर्वरक राज्यमंत्री मनसुख मंडाविया ने रेमडेसिविर के उत्पादन को लेकर हाल में इसके निर्माताओं के साथ बैठक की है जिसमें उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की गई है। साथ ही इसके मूल्यों में कमी लाने पर भी चर्चा की। रेमडेसिविर के उत्पादकों ने इसकी कीमतें 3500 रुपये प्रति इंजेक्शन से कम रखने पर सहमति प्रकट की है। हालांकि कुछ कंपनियों के दाम पहले ही इससे कम हैं लेकिन कुछ के दाम अभी पांच हजार रुपये के करीब हैं। घरेलू बाजार में रेमेडिसविर की आपूर्ति को बढ़ाने के लिए डीजीएफटी द्वारा 11 अप्रैल 2021 को रेमेडिसविर, एपीआई और फॉर्मूलेशन को निर्यात प्रतिबंध के तहत रखा गया है। वहीं सरकार के हस्तक्षेप पर निर्यात के लिए रखी गई रेमेडिसविर की 4 लाख शीशियों को घरेलू जरूरतों को पूरा

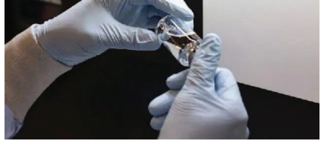

करने के लिए विनिर्माताओं को दिया गया है। डीसीजीआई द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रवर्तन अधिकारियों को रेमेडिसविर की काला-बाजारी, जमाखोरी एवं अधिक कीमत वसूली की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) रेमेडिसविर की उपलब्धता की लगातार निगरानी कर रहा है।

सर्दी-खांसी-बुखार नहीं, अब कोरोना का नया वेरिएंट कर रहा आंखें खराब

सुनने की शक्ति भी हो रही कम

लखनऊ। अलग-अलग रूप में लोगों को अपनी आगोश में समेट रहे कोरोना के नए लक्ष्णों में कानों से सुनने की शक्ति कम होने की भी सामने आ रही है। साथ ही गम्भीर रूप से संक्रमित रोगियों के तो आंखों पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है। अब तक नए स्ट्रेन के पहचान बदलने के रूप में मुख्य रूप से वायरल बुखार के साथ डायरिया, पेट दर्द, उल्टी-दस्त, अपच गैस, एसिडिटी, भूख न लगना एवं बदन दर्द जैसे लक्षण ही सामने आए थे लेकिन जैसे-जैसे यह नया स्ट्रेन तेजी से फैलता जा रहा है उसके कुछ और नए लक्षण सामने आते जा रहे हैं। केजीएमयू व एसजीपीजीआई समेत कई अन्य कोविड अस्पतालों में भर्ती गम्भीर कोविड मरीजों को सुनने में परेशानी हो रही है। इन चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे ज्यादातर कोरोना मरीजों की शिकायत हैं कि उन्हें उनके दोनो कानों से सुनाई नहीं दे रहा। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो केवल एक कान से ही सुन पा रहे हैं। इस तरह की

शिकायतें भी खूब आ रही हैं। इसके अतिरिक्त कुछ कोरोना संक्रमित मरीजों की ओर से दिखाई कम देने की भी शिकायतें सामने आई है लेकिन चिकित्सकों का यह भी कहना है कि गम्भीर होने की अवस्था में शरीर के कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। लिहाजा कई अंगों पर इसका सीधा असर पड़ता दिख रहा है। ऐसे में अपनी पहचान बदलकर कहीं अधिक घातक रूप में आए कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर चिकित्सा विशेषज्ञों की भी चिन्ताएं काफी बढ़ गई है। उनका कहना है कि अब हर व्यक्ति को इस संक्रमण से बचने के जतन करने होंगे। लापरवाही छोड़कर कर कोरोना के प्रोटोकॉल का पालन करना ही इसका मात्र उपाय है। विदित हो कि कोरोना के नए स्ट्रेन के लक्षणों में जो अब तक वायरल बुखार के साथ डायरिया, पेट दर्द, उल्टी-दस्त, अपच गैस, एसिडिटी, भूख न लगना एवं बदन दर्द जैसे लक्षण की ही पहचान की गई थी अब उसमें सुनने व दिखाई देने में आ रही समस्या भी शामिल हो गई है।

जजों से बोला सुप्रीम कोर्ट

आपराधिक मामलों में नजीर नहीं बनने वाले आदेश उचित नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अदालतों के इस व्यवहार की निंदा की जिनमें उनके दिए गए आदेशों में कहा जाता है कि उन्हें समता के आधार पर एक मिसाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। पीठ ने कहा कि यह जज की अपने स्वयं के आदेश में विश्वास की कमी को दर्शाता है। यदि जजों को लगता है कि कोई आदेश कमजोर है, तो इसे पारित नहीं करना चाहिए। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एम आर शाह की पीठ पांच लोगों की व्यक्तियों की हत्या के एक मामले में छह सह-अभियुक्तों को अलग-अलग आदेशों में गुजरात उच्च न्यायालय की समन्वित बेंचों द्वारा दी गई नियमित जमानत को रद्द करने की मांग के लिए दायर विशेष अनुमित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आईपीसी की धारा 302, 143, 144, 147, 147, 148, 149, 341, 384, 120बी, 506 और 34, आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1 बी) ए, 27 और 29 के तहत और गुजरात पुलिस एक्ट की धारा 135 के तहत दंडनीय अपराध पर चार्जशीट दाखिल की गई थी। ये आदेश अभियुक्तों को जमानत देने से संबंधित थे। कोर्ट ने कहा कि आपराधिक मामलों में जज ऐसे आदेश पारित नहीं कर सकते, या तो वे नजीर बनेंगे या नहीं। लेकिन यह कहकर तदर्थ आदेश पारित नहीं किया जा सकता कि इन्हें नजीर न माना जाए। कोर्ट ने कहा कि सिविल मामलों में ऐसा कहा जा सकता है क्योंकि वहां पक्ष आपस में बात कर कोर्ट से आदेश पारित करने के लिए कह सकते हैं। ये आदेश उस केस विशेष में ही लागू रहेगा लेकिन आपराधिक मामलों में इसकी अनुमति नहीं है।

तो क्या कोरोना से मौतें छुपा रही एमपी सरकार? श्मशान और सरकारी आंकड़ों में बड़ा फर्क

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर में दैनिक आंकड़े और भी भयावह हैं वहीं मौतों की संख्या भी डरा रही है। ऐसे में सरकार पर बार-बार झूठे आंकड़े जारी करने का आरोप लगता रहा है। मध्यप्रदेश की बात करें तो भोपाल के दो श्मशान और एक कब्रिस्तान के अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को भोपाल में कोविड -19 प्रोटोकॉल के साथ 84 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने शहर में केवल पांच और पूरे मध्य प्रदेश में केवल 40 कोरोना मौतों की जानकारी दी है। ऐसे में राज्य सरकार पर स्थिति पर छुपाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी ने इन आरोपों का खंडन किया है कि राज्य सरकार मौत के आंकड़े को घटाकर बता रही है।

मध्यप्रदेश की बात करें तो भोपाल के दो श्मशान और एक कब्रिस्तान के अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को भोपाल में कोविड -19 प्रोटोकॉल के साथ 84 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने शहर में केवल पांच और पूरे मध्य प्रदेश में केवल 40 कोरोना मौतों की जानकारी दी है। ऐसे में राज्य सरकार पर स्थिति पर छुपाने के आरोप लग रहे हैं।

उन्होंने कहा हमें बड़ी संख्या में शवों के दाह संस्कार के बारे में पता चला और हम मामले को देख रहे हैं। लेकिन हम मौतों को लेकर कुछ नहीं छुपा रहे। मध्य प्रदेश में बुधवार को समाप्त सप्ताह भर में औसतन 6,477 मामले और 32 मौतें हुईं। राज्य में अब तक कोविड -19 के 363,352 मामले दर्ज किए गए हैं और 4,312 मौतें हुई हैं। मंगलवार को भदभदा विश्राम घाट पर कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ कुल 47 शवों का अंतिम संस्कार किया गया, सुभाष नगर में 28 शव, और नौ शवों को जहांगीराबाद कब्रिस्तान में दफनाया गया। सुभाष नगर श्मशान के एक कर्मचारी 32 वर्षीय प्रदीप कन्नोजिया ने कहा- मैं पिछले एक साल से कोविड -19 संक्रमित शवों का अंतिम संस्कार कर रहा हूं, लेकिन पिछले एक सप्ताह में मैंने कभी भी लाशों का ऐसा ढेर नहीं देखा है। लोगों को दाह संस्कार के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। परिजन दाह संस्कार के लिए बाहर एम्बुलेंस में इंतजार कर रहे हैं। यह भयावह है।÷ भदभदा विश्रम घाट के एक कर्मचारी ममतेश शर्मा ने कहा, स्थिति इतनी खराब हो रही है कि श्मशान में लकड़ी की कमी हो गई है। इधर, जहांगीराबाद के कब्रिस्तान प्रभारी रेहान गोल्डन ने कहा, ÷हम कब्रें पहले से खोद रहे हैं क्योंकि मंगलवार को नौ शव कब्रिस्तान में पहुंचे, जो हाल के वर्षों में एक दिन में दफन किए गए शवों की सबसे अधिक संख्या है। मध्यप्रदेश देश के उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से है, जहाँ दूसरी लहर का प्रकोप पहली लहर से कही ज्यादा है।

विदेशी कोरोना वैक्सीन के लिए भारत ने बदले नियम

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन की किल्लत की शिकायतों के बीच मंगलवार को केंद्र सरकार ने नियमों में बदलाव करते हुए सभी विदेशी वैक्सीन के लिए देश के दरवाजे खोल दिए। इससे जहां देश में कोरोना की कई वैक्सीन उपलब्ध हो सकेंगी, वहीं सभी वयस्कों के टीकाकरण के लक्ष्य को भी जल्द हासिल करने में मदद मिलेगी। आइए, जानते हैं कि नियमों में बदलाव का किन विदेशी वैक्सीन को ज्यादा लाभ मिलेगा, उनकी कीमत कितनी होगी, सुरक्षा मानकों का किस प्रकार खयाल रखा जाएगा और क्या बाजार में भी वैक्सीन उपलब्ध हो सकेंगी..

क्या हैं नियम

न्यू ड्रग एंड क्लीनिकल ट्रायल रूल्स-2019 के अनुसार, जब भी विदेशी निर्माता भारत में वैक्सीन के आपातकालीन उत्पादन के लिए आवेदन करेगा, उसे स्थानीय क्लीनिकल ट्रायल संबंधी रिपोर्ट जमा करनी होगी। इसे ब्रिज ट्रायल कहा जाता है। इसमें निर्माता दूसरे व तीसरे चरण के सुरक्षा व प्रतिरक्षा संबंधी आंकड़े जुटाते हैं। चूंकि वैक्सीन का विदेश में ट्रायल हो चुका होता है, इसलिए स्थानीय ट्रायल में प्रतिभागियों की संख्या सीमित होती है। इसी आधार पर सीरम इंस्टीट्यूट ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविशील्ड

व डॉ. रेड्डी ने स्पुतनिक-वी का ब्रिज ट्रायल करवाया था। यह भी प्रविधान है कि राष्ट्रीय प्राधिकार चाहे तो विदेशी कंपनियों को नियमों में छूट दे सकता है। हालांकि, यह तभी संभव होगा जब वैक्सीन के गंभीर प्रतिकूल प्रभाव सामने न आए हों। हालांकि, दूसरे व तीसरे चरण के स्थानीय ट्रायल के प्रविधान को अब खत्म कर दिया गया है।

बदलाव का मतलब क्या हुआ

विदेश का कोई भी निर्माता जिसकी वैक्सीन को अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, ब्रिटेन व जापान के स्वास्थ्य प्राधिकार से सीमित उपयोग की अनुमति मिल चुकी हो वे भारत में आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपातकालीन इस्तेमाल की सूची में दर्ज कंपनियां भी सीधे आवेदन कर सकती हैं। उनके आवेदन पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा का कैसे होगा निर्धारण

विदेशी कंपनियों को देशभर में टीकाकरण शुरू करने से पहले 100 लोगों पर परीक्षण करना होगा और सात दिनों तक उन पर नजर रखनी होगी। रिपोर्ट संतोषजनक रहने पर देशभर में टीकाकरण की इजाजत दी जा सकती है, लेकिन समानांतर रूप से ब्रिज ट्रायल चलते रहेगा और उसकी रिपोर्ट प्राधिकार को सौंपनी होगी।

किस कंपनी को होगा फायदा

अमेरिकी की जॉनसन एंड जॉनसन ही फिलहाल ऐसी कंपनी है जिसने कहा है कि वह जल्द ही भारत में क्लीनिकल ट्रायल शुरू करने जा रही है। इसे 12 मार्च को डब्ल्यूएचओ से भी हरी झंडी मिल चुकी है। इसके अलावा फाइजर व मॉडर्ना भी अपनी वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल के लिए आवेदन कर सकती हैं। नोववैक्स द्वारा विकसित सीरम की कोवोवैक्स भी कतार में है।

कितनी होगी कीमत

कोविशील्ड व कोवैक्सीन निजी अस्पतालों में फिलहाल 250 रुपये में लगाई जा रही है। जानकारों के अनुसार, फाइजर की वैक्सीन की एक खुराक करीब 1,400, मॉडर्ना की 2,800, चीनी वैक्सीन सिनोफार्म व सिनोवैक की क्रमश- 5,500 व 1,000 तथा स्पुतनिक-वी की 750 रुपये में उपलब्ध होगी। हालांकि, ये वैक्सीन अभी बाजार में उपलब्ध नहीं होंगी। इस संबंध में अभी सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया है।

CMYK

फिर शुरू होगा रामायण का प्रसारण

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने पलटवार किया तो देश में एक फिर एक बार लॉकडाउन जैसे हालात बन गए हैं। गत वर्ष लॉकडाउन के दौरान रामानंद सागर की रामायण का प्रसारण किया गया था और इसने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे। खबर है कि एक बार फिर स्टार भारत चैनल पर शाम 7.00 बजे से इसका प्रसारण प्रारंभ होने जा रहा है। विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन लगने के बाद लोगों की मांग उठ रही थी कि रामानंद सागर की रामायण का प्रसारण पुनः शुरु किया जाए। वैसे भी 21 अप्रैल को राम नवमी का त्योहार आ रहा है। ऐसे में अपने आराध्य देव भगवान श्री राम के प्रति भारतवासियों की श्रद्धा चरम पर होगी। रामायण में विभिन्न भूमिकाएं निभा चुके कलाकार आज घर-घर में जाने जाते है। राम लक्ष्मण, सीता और रावण की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में अरुण गोविल, सुनील लहरी, दीपिका चिखलिया और अरविंद त्रिवेदी को देखा गया है। लॉकडाउन के दौरान पिछले साल रामाणयण खूब देखी गई थी। दादा-दादी और माता-पिता को जहां अपने पुराने दिन याद आए, वहीं नई पीढ़ी के लिए भगवान राम और रामाणय को समझने का एक शानदार अवसर मिला। इसके कलाकार एक बार भी फिर सुर्खियों में रहे। पिछले साल रामायण की स्टार कास्ट 'द कपिल शर्मा शो' पर आई थी, जिसमें शो के राम-लक्ष्मण और सीता पूरे 33 साल बाद किसी मंच पर साथ दिखाई दिए थे। 'रामायण' का प्रसारण जनवरी 1987 से जुलाई 1988 तक हुआ था। उस वक्त ये सीरियल सुपरहिट रहा था। पिछले साल लॉक डाउन दौरान रामायण को अन्य धारावाहिकों से ज्यादा टीआरपी मिली जिसने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे।

नाव से गुजरात में घुस चुके 8 पाकिस्तानियों को दबोचा गया

नई दिल्ली। समुद्र के रास्ते गुजरात में भारतीय सीमा में घुसे 8 पाकिस्तानियों को दबोच लिया गया है। 30 किलो हिरोइन लेकर 'नूह' नाम के नाव से भारतीय सीमा में दाखिल हुए इन पाकिस्तानियों को एटीएस गुजरात और इंडियन कोस्ट गार्ड ने 14-15 की दरम्यानी रात कच्छ के जखाऊ के पास गिरफ्तार किया है। बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। भारत को ड्रग्स के जरिए बर्बाद करने का सपना पाल रहा पाकिस्तान कभी ड्रोन के सहारे जम्मू-कश्मीर, पंजाब में खेप भेजने की कोशिश करता है तो कभी समुद्री रास्ते गुजरात में। भारतीय कोस्ट गार्ड की ओर से बताया गया है कि गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के साथ मिलकर इस मिशन को अंजाम दिया गया। गुरुवार को कच्छ जिले के जखाऊ तट के पास मछली पकड़ने वाली एक नौका को घेरा गया। इसमें 8 पाकिस्तानी नागरिक सवार थे। तलाशी लेने पर नौका में से 30 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। आईसीजी ने ट्विटर पर कहा, आईसीजी ने एटीएस गुजरात के साथ एक संयुक्त अभियान में आज भारतीय समुद्री क्षेत्र में आईएमबीएल (अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा) के समीप जखाऊ तट से पाकिस्तानी नौका पीएफबी (पाकिस्तानी फिशिंग बोट) पकड़ी। इसमें 8 पाकिस्तानी नागरिक सवार थे और 30 किग्रा हेरोइन रखी हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट के जज के स्टाफ के सभी सदस्य कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस का कहर अब खतरनाक रूप ले रहा है। सुप्रीम कोर्ट (उच्चतम न्यायालय) के जस्टिस एम आर शाह के आवास के स्टाफ के सभी सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। न्यायाधीश ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति शाह, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल थे। उन्होंने वकीलों को बताया कि उनके आधिकारिक आवास पर सभी कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इसके बाद पीठ ने कामकाज रोक दिया। दोपहर दो बजे पीठ दोबारा बैठेगी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने ने कहा कि अदालत को इस परिस्थिति में समय लेना चाहिये। बीते कुछ दिन में उच्चतम न्यायालय के 40 से अधिक कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने एक गाइडलाइन जारी की है, जिसमें कहा गया है कि अगर अदालत परिसर में आने वाले किसी भी व्यक्ति को कोरोना के लक्षण हैं तो ऋक्ष-ङ्कक्र टेस्ट जरूरी है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट में आने वाले सभी जजों, कर्मचारियों, वकीलों, वकीलों के स्टाफ को कोविड टेस्ट कराकर ही दाखिल होना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक सर्कुलर में कहा कि जिन लोगों को बुखार, बदन दर्द और गंध की कमी जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं, उन्हें कोर्ट नहीं आना चाहिए और खुद को घर में आइसोलेट कर लेना चाहिए। अगर किसी स्टाफ या वकील को कोई लक्षण दिखता है, तो उन्हें आरटीपीसीआर या एंटीजेनट टेस्ट कराना चाहिए। बता दें कि आरटी-पीसीआर टेस्ट को सबसे ज्यादा विश्वसनीय माना जाता है। देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मद्देनजर और जिस रफ्तार से सुप्रीम कोर्ट के स्टाफ भी संक्रमित हो रहे हैं, देखते हुए कोर्ट ने नया गाइडलाइन जारी किया है। पिछले शनिवार को 99 में से 44 कोर्ट के कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इनमें कुछ जज भी शामिल थे। यही वजह है कि अब सुप्रीम कोर्ट में भी वर्चुअल सुनवाई हो रही है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि परिसर में किसी तरह की भीड़भाड़ नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि परिसर में कोई भीड़भाड़ या जमावड़ा ना करें। ऐलिवेटर (लिफ्ट) का इस्तेमाल सिर्फ जाने के लिए किया जाना चाहिए। लिफ्ट पर एक बार में सिर्फ तीन लोगों के ही चढ़ने की अनुमति होगी। नीचे आने के लिए सीढ़ियों का इस्तेमाल करें।

गाजीपुर सहित कई बॉर्डर से दिल्ली में गाड़ियों की एंट्री बंद

नई दिल्ली । दिल्ली में चल रहे किसानों के प्रदर्शन और **COVID-19** मामलों में वृद्धि के बीच, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने गाजीपुर, सिंघू, मुंगेशपुर, हरेवली और टिकरी बॉर्डर यातायात के लिए बंद करने का फैसला किया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है।पुलिस ने कहा ट्रैफिक मूवमेंट के लिए निम्नलिखित सीमाएं बंद हैं: गाजीपुर बॉर्डर (दिल्ली की ओर गाजियाबाद), सिंघू बॉर्डर, मुंगेशपुर, हरेवली बॉर्डर और टिकरी बॉर्डर। किसान तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ बीते कई महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। सरकार के साथ किसान संगठनों के नेताओं के बीच कई दौर की वार्ता भी हुई, लेकिन नतीजा नहीं निकला है। किसान तीनों कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं, जिसे मानने से सरकार ने साफ इनकार कर दिया है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड दो लाख से अधिक मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 1,40,74,564 पर पहुंच गए हैं जबकि इस बीमारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 14 लाख के पार चली गई है।

एनआईए ने आतंकवादियों द्वारा इंटरनेट के दुरुपयोग पर ब्रिक्स सेमिनार आयोजित किया

नई दिल्ली।

आतंकवादियों द्वारा इंटरनेट के दुरुपयोग को देखते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस मुद्दे पर दो दिवसीय ब्रिक्स सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार (संगोष्ठी) के दौरान सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के कई हितधारकों ने आतंकवादियों द्वारा इंटरनेट के दुरुपयोग से निपटने पर चर्चा की। उन्होंने आतंकवादियों द्वारा उनकी नापाक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इंटरनेट के दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अंतराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने पर व्यापक चर्चा की। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवाद के लिए इंटरनेट का दुरुपयोग और आतंकवादी जांच में डिजिटल फॉरेंसिक की भूमिका विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन आतंकवाद विरोधी जांच एजेंसी द्वारा 13-14 अप्रैल को वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी 13-14 अप्रैल को ब्रिक्स देशों का दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सेमिनार का उद्घाटन केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने किया। बयान में कहा गया है कि इस सम्मेलन का आयोजन एनआईए ने किया, क्योंकि भारत 2021 के लिए ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है।इस दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि केवल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर आधारित उपायों और निर्वाध रूप से अच्छी पहल एवं अनुभवों को साझा करके इससे निपटा जा सकता है। इस सेमिनार में पांच सदस्य देशों के 40 विशेषज्ञों ने विभिन्न तकनीकी सत्रों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें सोशल मीडिया के दोहन, डार्क वेब एवं अनाम सूचना सामग्री (डार्क वेब एंड एनोनिमाइजर), उभरती प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्रिप्टो करेंसी और वर्चुअल एसेट्स एवं डिजिटल फारेंसिक आदि शामिल रहे। बयान के अनुसार, सम्मेलन में सहभागियों ने आतंकवादियों द्वारा इंटरनेट के दुरुपयोग की रोकथाम, नियंत्रण और अभियोजन से संबंधित चुनौतियों को रेखांकित किया और इस संबंध में वर्तमान प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और उभरते डिजिटल परिदृश्य की प्रशंसा भी की।

प्रवक्ता ने यह भी कहा कि हम इस सहयोग के साथ ब्रिक्स सदस्य देशों सहित पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए एक सुरक्षित माहौल का सृजन कर सकते हैं।

देश के 10 राज्यों में डबल म्यूटेंट वाले कोरोना वायरस का कहर

नई दिल्ली ।

भारत में कोरोना का संक्रमण तेज रफ्तार से अपने पैर पसार रहा है। आज दो लाख से अधिक नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र में दिख रहा है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष सूत्रों का कहना है कि भारत के करीब दस राज्यों में डबल म्यूटेंट वाले कोरोना वायरस का असर देखने को मिला है। वहीं, अगर दिल्ली की बात करें तो यहां ब्रिटेन वाले स्ट्रेन मिले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, गुजरात, कर्नाटक और मध्य प्रदेश उन राज्यों में शामिल हैं जहां डबल म्यूटेंट वाले वायरस पाए गए हैं। ये म्यूटेंट कोविड़ -19 मामलों में तेजी से वृद्धि में भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता है कि मामलों में वृद्धि के लिए डबल म्यूटेंट 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं। सूत्रों के अनुसार दिल्ली का वायरस के यूके वाले स्ट्रेन का मिश्रण है। पंजाब में कोरोना के 80 प्रतिशत मरीजों में में ब्रिटिश स्ट्रेन पाया गया। महाराष्ट्र में लगभग 60 प्रतिशत मामलों में डबल म्यूटेशन पाया गया है। हालांकि मुंबई में ऐसे केस सामने नहीं आए हैं। 18 से 19 राज्यों, या देश के 70 से 80 जिलों में यूके वाला स्ट्रेन मिलने की सूचना है। दक्षिण अफ्रीकी और ब्राज़ीलियाई वेरिएंट की उपस्थिति कम जिलों तक सीमित है। स्वास्थ्य मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि जिन राज्यों में डबल म्यूटेंट का पता लगाया जा रहा है, सरकार उन राज्यों के साथ सूचना साझा कर रही है। राज्य निगरानी अधिकारी फिर जमीनी कार्य योजना तय करते हैं। कई बार म्यूटेशन के बाद वायरस पहले से कमजोर हो जाता है लेकिन कई बार म्यूटेशन की यह प्रक्रिया वायरस को काफी खतरनाक बना देती है। ऐसे में वायरस हमारे शरीर की किसी कोशिका पर हमला करते हैं तो कोशिका कुछ ही घंटों के अंदर वायरस की हजारों कॉपीज बना देती है। इससे शरीर में वायरस लोड तेजी से बढ़ता है और मरीज जल्दी ही बीमारी की गंभीर अवस्था में पहुंच जाता है।

कोरोना के कारण 11 राज्यों में स्कूल बंद -आधा दर्जन राज्यों में टलीं परीक्षाएं

नई दिल्ली।

कोरोना की दूसरी लहर के प्रभाव को देखते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए सीबीएसई 10वीं की परीक्षा रद्द कर दी, जबकि सीबीएसई 12वीं की परीक्षा अभी टाल दी गई है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक सीबीएसई की चार मई से प्रस्तावित बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में निर्णय इसलिए लिया गया, क्योंकि कोरोना के चलते मौजूदा समय में 11 राज्यों के स्कूल बंद हैं। सीबीएसई एक केंद्रीय बोर्ड है, इसलिए सभी राज्यों में एक साथ परीक्षा जरूरी है। लेकिन कई राज्यों में कोरोना संक्रमण की जो स्थिति बनी हुई है, उसमें यह संभव नहीं है। वहीं कोरोना के कारण बिगड़े हालात को देखते हुए मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान और महाराष्ट्र की सरकारों ने भी दसवीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला किया है। हरियाणा सरकार गुरुवार को बोर्ड परीक्षाओं पर फैसला लेगी। उत्तर प्रदेश और बंगाल ने कहा है कि वे स्थिति पर नजर रखे हैं और जल्द ही फैसला लेंगे। वहीं कर्नाटक ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बोर्ड परीक्षाएं कराने का एलान किया है। पंजाब में परीक्षा की अगली तारीखें तय करने के लिए एक जून को समीक्षा बैठक होगी। हिमाचल सरकार ने 17 मई तक 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला किया है। इस बीच, उत्तर प्रदेश से खबर है कि कोरोना के बिगड़ते हालात को देखते हुए यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की आठ मई से शुरू होने वाली परीक्षाएं भी टलना तय माना जा रहा है। उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि कोरोना के ऐसे ही हालात रहे तो यूपी बोर्ड परीक्षाएं भी टलेंगी। डा. शर्मा ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के कार्य में लगाए गए 19 में से 17 अधिकारी कोरोना पाजिटिव हैं। अपर मुख्य सचिव (माध्यमिक शिक्षा) आराधना शुक्ला के अलावा तीन विशेष सचिव, निदेशक व पांच उप निदेशक स्तर के अधिकारी इसमें शामिल हैं। सीबीएसई की हाईस्कूल की परीक्षा रद किए जाने और इंटर की परीक्षाएं स्थगित किए जाने के बाद अब यूपी बोर्ड की परीक्षाओं के निर्णय पर विद्यार्थियों की निगाहें लगी हैं।

दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू किन कामों के लिए निकलने की होगी छूट

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना महामारी को काबू करने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने गुरुवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक वीकेंड कर्फ्यू लगा दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वीकेंड में होने वाली सोशल गैदरिंग और कोरोना की चेन तोड़ने के लिए यहां वीकेंड कर्फ्यू लगाया जा रहा है। ये पाबंदी आप लोगों की सुरक्षा के लिए हैं। केजरीवाल ने कहा कि वीकेंड कर्फ्यू के दौरान दिल्ली में मॉल, स्पा, जिम, ऑडिटोरियम आदि सब पूरी तरह से बंद रहेंगे, लेकिन सिनेमा हॉल 30 प्रतिशत क्षमता के साथ चल सकेंगे। साथ ही हर जोन में एक दिन में केवल एक साप्ताहिक बाजार को अनुमति दी जाएगी। बाजारों में ज्यादा भीड़भाड़ न हो इसके लिए भी खास इंतजाम किए जा रहे हैं। रेस्टोरेंट में अब बैठकर खाने की इजाजत नहीं होगी, केवल होम डिलीवरी की अनुमति होगी। आवश्यक सेवाएं पहले की तरह ही जारी रहेंगी। आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों और शादियों के लिए लोगों को कर्फ्यू पास जारी किए जाएंगे। लोग आज से ही पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। शॉपिंग मॉल, स्पा, ऑडिटोरियम और जिम बंद रहेंगे। सिनेमा हॉल 30त्न क्षमता के साथ संचालित हो सकेंगे। दिल्ली में रेस्तरां और भोजनालयों में बैठकर खाने की अनुमति नहीं है। सभी आवश्यक सेवाओं और होम डिलीवरी की अनुमति दी जाएगी। शादियों पर कोई रोक नहीं, लेकिन कर्फ्यू पास लेना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में प्रति दिन केवल एक सासाहिक बाजार लगेगा। सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए स्कूलों के अंदर बाजार खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा युवाओं से निवेदन है कि जब भी आप घर से बाहर निकलें तो कोविड दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि लोगों को कई तरह की जिम्मेदारी के लिए घर से निकलना पड़ता है, लेकिन जब ज्यादा जरूरी हो, तभी बाहर निकलें। घर से निकलने पर सारे कोविड प्रोटोकॉल को फॉलो करें क्योंकि अपनी सुरक्षा अपने हाथ में हैं। गौरतलब है कि दिल्ली में जारी कोरोना की चौथी लहर के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीते रविवार को कहा था कि शहर में हालात बेहद गंभीर हैं बहुत जरूरी होने पर ही लोग घरों से बाहर निकलें। केजरीवाल ने कहा था कि कोरोना की चौथी लहर पिछली लहर से ज्यादा खतरनाक है। सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उनकी सरकार दिल्ली में लॉकडाउन नहीं लगाना चाहती, लेकिन अगर अस्पतालों में भीड़ बढ़ गई और गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए बेड्स उपलब्ध नहीं रहे तो लॉकडाउन लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि हमें आपका सहयोग चाहिए। अगर आपका सहयोग मिलता है और अस्पतालों की स्थिति नियंत्रण में रहती है तो दिल्ली में लॉकडाउन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन अगर अस्पतालों में बेड्स की कमी हो जाती है और बेड्स खाली नहीं रहते तो लॉकडाउन लगाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर अस्पताल व्यवस्था चरमरा जाती है, तभी लॉकडाउन लगाया जाना चाहिए।केजरीवाल ने कहा कि मैं लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि लॉकडाउन कोविड-19 से निपटने का समाधान नहीं है। अगर अस्पताल व्यवस्था चरमरा जाती है तो तभी लॉकडाउन लगाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो जाते हैं तो अस्पतालों में जाने के बजाय होम आइसोलेशन में रहें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गंभीर मरीजों के लिए अस्पतालों में बेड्स खाली रखे जाएं।

भीड़ पर पाबंदी से संबंधित डीडीएमए की अधिसूचना सभी धर्मों पर लागू होती है

नई दिल्ली।

केन्द्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक रिपोर्ट दाखिल कर कहा है कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सभी तरह के समागम पर पाबंदी लगाने वाली डीडीएमए की अधिसूचना सभी धर्मों पर लागू होती है। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सभी धार्मिक स्थलों को बंद किया गया है, या नहीं। जस्टिस मुक्ता गुप्ता ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट में इस बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की अधिसूचना के अनुसार राजधानी में सभी धार्मिक स्थलों को बंद किया गया है, या नहीं। अदालत ने कहा कि आपने रिपोर्ट में यह नहीं बताया है कि अन्य धार्मिक स्थल बंद हैं, या खुले हुए हैं। हमें पता चला है कि (दिल्ली में) अधिकतर धार्मिक स्थल खुले हुए हैं। जस्टिस गुप्ता ने यह भी कहा कि 13 अप्रैल को दिए गए उनके निर्देश में बिल्कुल स्पष्ट रूप से कहा गया था कि अदालत जानना चाहती है कि क्या डीडीएमए की अधिसूचना के अनुसार सभी धार्मिक स्थल बंद हैं। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने निजामुद्दीन मरकज को खोलने की अपील करते हुए

अदालत में याचिका दायर की थी, जिस पर संक्षिप्त सुनवाई के दौरान रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद अदालत ने यह टिप्पणी की। निजामुद्दीन मरकज में पिछले साल कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक कार्यक्रम हुआ था, जिसके बाद 31 मार्च से मरकज बंद है। केन्द्र की ओर से वकील रजत नायर ने कहा कि अदालत द्वारा पूछे गए सवाल पर सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अदालत से इस मामले को आज सुने जाने वाले मामलों की सूची के अंत में सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। अदालत ने कहा कि वह आज सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई के पूरी होने के बाद इस मामले पर सुनवाई करेगी। इससे पहले, सॉलिसिटर जनरल ने 13 अप्रैल को कहा था कि डीडीएमए के आदेश के मद्देनजर रमजान में मस्जिदों में सामूहिक रूप से नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जिसके बाद अदालत ने हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

कोरोना से निपटने के लिए रेमडेसिविर ही नहीं है रामबाण

नई दिल्ली ।

कोरोना संक्रमण का शिकार हुए मरीजों के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन को रामबाण माना जा रहा है। देश भर में इन दिनों इस इंजेक्शन की खूब मांग है और कई राज्यों में तो किल्लत पैदा हो गई है। इस संकट के बीच डॉक्टरों का कहना है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की यदि कमी हो जाती है, तब भी घबराने की जरूरत नहीं है। डॉक्टरों के मुताबिक कोरोना को हराने के लिए यही एकमात्र उपाय नहीं है। ऑक्सीजन थेरेपी, विटामिन सप्लीमेंट्स, स्टेरॉयड्स और ब्लड थिनर्स के जरिए भी मरीजों को आसानी से कोरोना से उबारा जा सकता है। यहां तक कि 12 अप्रैल को महाराष्ट्र की स्टेट टास्क फोर्स की मीटिंग में भी मेडिकल एक्सपर्ट्स ने यह क्लियर किया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन के बिना भी मरीजों को कोरोना से बचाया जा सकता है। महाराष्ट्र की कोविड टास्क फोर्स के चीफ संजय ओक कहते हैं कि रेमडेसिविर की सलाह काफी डॉक्टर दे रहे हैं। इसके चलते मांग में इजाफा हुआ है। यहां तक कि लोग इस इंजेक्शन को ही कोरोना से निपटने का एकमात्र उपाय मानने लगे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। एक अन्य मेडिकल एक्सपर्ट ने कहा कि मरीजों के परिजनों को डॉक्टरों पर इसी इंजेक्शन के इस्तेमाल के लिए दबाव नहीं बना चाहिए। एक एक्सपर्ट ने कहा कि यह इंजेक्शन बीमारी की अवधि को कम करने में

मदद करता है। इसके चलते कुछ लोग इसे जीवन रक्षक मानने लगे हैं, लेकिन यह हकीकत नहीं है। उन्होने कहा कि अकेले रेमडेसिविर से ही कोरोना के पीड़ितों को फायदा नहीं होता है। इसके साथ ही ऑक्सीजन थेरेपी, स्टेरॉयड्स और ब्लड थिनर्स के जरिए भी मरीज को राहत मिलती है। यह कुछ चुनिंदा मरीजों के लिए ही बेहतर है, जो गंभीर रूप से पीड़ित हैं और तत्काल राहत की जरूरत है।

गोद देने के बाद बच्चा अपने जैविक माता-पिता के पास लौट सकता है

नई दिल्ली।

एक दंपति को अपनी ही नाबालिग बेटी को अगवा करने के आरोप में न सिर्फ 12 साल तक मुकदमे का सामना करना पड़ा, बल्कि उन्हें कानूनी अभिभावक के संरक्षण से बच्ची को अगवा करने का दोषी भी ठहराया गया। लेकिन, इस दंपति ने निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ सत्र अदालत में अपील दायर की। सत्र अदालत ने माना है कि कानूनी गोद प्रक्रिया महज एक दस्तावेज है। कोर्ट ने कहा कि बच्चे बच्ची का उज्जवल भविष्य व हित सर्वोपरि है और यह जिससे भी मिले वही कानून की नजर में उसका पालनहार है। अदालत ने जन्म देने वाले माता-पिता को निचली अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के फैसले को रद्द कर दिया। गोद देने के बाद बच्चा यदि अपने जैविक माता-पिता के पास लौटना चाहे तो यह अपराध नहीं है। कड़कड़डूमा कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रितेश सिंह की अदालत ने दंपति की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर गोद देने के बाद बच्चा अपने कानूनी अभिभावक के साथ नहीं रहना चाहता और वह अपनी मर्जी से जन्म देने वाले माता-पिता के पास वापस लौटता है तो यह कोई अपराध नहीं है।अदालत ने कानून को परिभाषित करते हुए कहा कि हर हाल में बच्चे का उज्जवल भविष्य व हित मायने रखता है। यदि गोद लेने वाले अभिभावक बच्चे की उचित देखभाल या लालन-पालन नहीं कर रहे हैं तो बच्चा स्वेच्छा से अपने पालनकर्ताओं का चयन कर सकता है। हालांकि अदालत ने कहा कि इसके लिए बच्चे की मानसिक समझ का परीक्षण अनिवार्य होता है।

लेकिन जहां तक इस मामले का सवाल है तो यहां बच्ची को जन्म देने वाले माता-पिता के खिलाफ जब मुकदमा दर्ज कराया गया, वह आठ साल की थी और अब जब यह फैसला आया है तो वह 20 साल से ज्यादा उम्र की हो चुकी है। दोनों ही बार उसने अपने जन्म देने वाले माता-पिता के साथ रहने की इच्छा व मंशा जताई है।

पाकिस्तान ने हिंसक विरोध के बाद इस्लामी पार्टी पर प्रतिबंध लगाया

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद निरोधक कानून के तहत तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद ने बुधवार को घोषणा की कि फाइल को मंजूरी के लिए फेडरल कैबिनेट में ले जाया जाएगा, जिससे यह फैसला पंजाब सरकार के अनुरोध पर लिया गया। उन्होंने समा टीवी से बातचीत में कहा, वे (प्रदर्शनकारी) अच्छी तरह से तैयार थे। टीएलपी नेता सरकार के साथ सभी वार्ताओं में आते थे, लेकिन सड़क बंद होने के बारे में अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी करने के बाद वे नहीं आए। टीएलपी प्रमुख साद हुसैन रिजवी को लाहौर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद धार्मिक पार्टी के समर्थक सोमवार दोपहर सड़कों पर उतर गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बाद कराची, लाहौर, इस्लामाबाद और अन्य शहरों की मुख्य सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया और लोग घंटों तक यातायात में फंसे रहे। शेख रशीद ने कहा कि पंजाब में सभी राजमार्गो, मोटरमार्गो और सड़कों को खोलने की मंजूरी अब दे दी गई है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और जनता के लिए काफी समस्याएं पैदा कीं। टीएलपी से पहले पाकिस्तान के दो बरेलवी राजनीतिक समूह थे- सुन्नी तहरीक और जमीयत उलेमा-ए-पाकिस्तान। ऐसे समूहों पर नजर रखने वाले इस्लामाबाद स्थित विश्लेषक सबुध सैयद बताते हैं, उनमें से कोई भी मुख्यधारा में नहीं था। जेयूपी और सुन्नी तहरीक ने पूरे देश में कभी उम्मीदवार नहीं उतारे लेकिन टीएलपी ने पिछले चुनाव में ऐसा किया।

समा टीवी के अनुसार, सैयद ने कहा, केवल एक आदमी है जो टीएलपी मुख्यधारा बनाने के लिए श्रेय का हकदार है और वह है मुहम्मद रिजवी। बेशक, हर धार्मिक समूह ने पंजाब के गवर्नर सलमान तासीर के फांसी वाले हत्यारे मुमताज कादरी को अपना प्रतीक बनाने की कोशिश की, लेकिन वे सभी असफल रहे जहां रिजवी सफल रहे। वह एक करिश्माई व्यक्तित्व और उपदेश देने की एक आक्रामक अनूठी शैली है कि उसे आकर्षण का केंद्र बना दिया था। सैयद ने अपनी राय में कहा कि उनके बेटे के लिए इस तरह की शैली और आक्रामकता की नकल करना एक कठिन काम होगा और पार्टी अगले चुनावों में समर्थन खो सकती है। साद रिजवी, मुहम्मद रिजवी के 26 वर्षीय बेटे को उसके 18 सदस्यीय शूरा ने पार्टी का नेतृत्व करने के लिए चुना। वह पिछले कुछ सालों से पार्टी में सक्रिय हैं, अपने उप महासचिव के रूप में सेवारत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वह संवाददाताओं के संपर्क में रहते थे और पार्टी की उपस्थिति को सोशल मीडिया पर महसूस करते थे। उनके दोस्त सलमान के मुताबिक, साद दरे-ए-निजामी के दरजा-ए-आलीया के छात्र हैं। वह अपने पिता के अबुजर गफ्फारी मदरसा में पढ़ाई कर रहा है। सलमान ने कहा, वह किताबों में गहरी रुचि के साथ एक स्मार्ट इंसान हैं। मदरसे के अन्य छात्रों के विपरीत, साद सोशल मीडिया के महत्व को जानता है और इसका इस्तेमाल अपने पिता के संदेश को फैलाने के लिए करता था। सलमान ने कहा, टीएलपी और उसके सदस्यों के फेसबुक पर अकाउंट थे, लेकिन उन्हें ट्विटर के बारे में कुछ नहीं पता था। रिपोर्ट में कहा गया है कि साद को पता था कि माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक बहुत महत्वपूर्ण मंच है और माना जाता है कि पार्टी को इस पर उपस्थिति होनी चाहिए, क्योंकि मुख्यधारा का मीडिया उन्हें कवरेज नहीं दे रहा था।

उनके दोस्त ने कहा, उन्होंने कई मदरसों का दौरा किया और ट्विटर और छात्रों को इसके इस्तेमाल के बारे में समझाया। अब, आप चहचहाना पर टीएलपी रुझान देख सकते है। रिपोर्ट में कहा गया है कि साद युवा पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय हैं और उनके दोस्त के अनुसार, उनके और मुहम्मद रिजवी के बीच सेतु के रूप में भी काम किया।

पाक सेना प्रमुख और ब्लिंकेन ने अफगान शांति प्रक्रिया पर चर्चा की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने इस्लामाबाद में अफगान शांति प्रक्रिया पर चर्चा की। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार सेना ने कहा कि बुधवार को फोन पर ब्लिंकेन और बाजवा ने आपसी हित के मुद्दों, अफगान शांति प्रक्रिया में नई सुरक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग सहित क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। जनरल बाजवा ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा सभी हितधारकों की आपसी सहमति के आधार पर अफगान-नीत और अफगान-संचालित शांति प्रक्रिया का समर्थन करेगा। उन्होंने आगे कहा, विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए पाकिस्तान के निरंतर प्रयासों की सराहना की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने का वादा किया।

परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का सभी लोग विरोध करेंगे : चीन

बीजिंग। जापान ने फुकुशिमा के परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का फैसला किया। इस पर पूरी दुनिया का ध्यान केंद्रित है, क्योंकि यह दुनियाभर में विवाद और शंका से भरा निर्णय है। हम जानते हैं कि जापान की फुकुशिमा परमाणु दुर्घटना अब तक दुनिया में हुई सबसे गंभीर परमाणु दुर्घटना है। इससे पैदा विकिरण रिसाव की मात्रा बहुत ज्यादा है और समुद्री वातावरण, खाद्य सुरक्षा व लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ा है। जापान का पड़ोसी देश होने के नाते चीन इस पर बहुत चिंतित है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चाओ लीच्येन ने कहा कि जापान ने अपशिष्ट जल का सुरक्षित निपटारा न करने की स्थिति में देश और विदेशों के विरोध की अनदेखी कर एकतरफा दौर पर परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का फैसला किया। यह फैसला बेहद गैर-जिम्मेदाराना है, जो विश्व सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और पड़ोसी देशों के लोगों के हितों को बड़ा नुकसान पहुंचेगा। दक्षिण कोरिया ने भी स्पष्ट रूप से जापान के फैसले का दृढ़ विरोध किया और जापान से समुद्री वातावरण को दूषित न करने की मांग की। चीन और दक्षिण कोरिया के विरोध का पर्याप्त कारण है, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और अनुसंधान संगठनों ने सबूत दिया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ ने कहा परमाणु अपशिष्ट जल से वातावरण और मानवाधिकार को बड़ा नुकसान पहुंचेगा, जापान का फैसला अस्वीकार्य है। जर्मनी समुद्री विज्ञान अनुसंधान संस्थान ने कहा कि फुकुशिमा के तट पर दुनिया का सबसे मजबूत महासागरीय प्रवाह है। अपशिष्ट जल की निकासी से 57 दिनों में विकिरण रिसाव का फैलाव प्रशांत महासागर के अधिकांश क्षेत्रों तक जा पहुंचेगा और 10 साल बाद दुनिया भर के समुद्री क्षेत्र प्रभावित हो जाएंगे। विदेशी नेटिजनों ने प्रत्यक्ष रूप से कहा कि यह मानव के खिलाफ अपराध है। हम जानते हैं कि महासागर मानव जाति की समान संपत्ति है, मानव समुदाय का साझा भविष्य है। साधारण ज्ञान हमें बताता है कि बहता हुआ समुद्री पानी परमाणु अपशिष्ट जल को दुनिया के किसी भी कोने में पहुंचा देगा। जब विकिरण रिसाव जानवरों और पौधों में घुस जाएगा, फिर खाद्य श्रृंखला से हमारे शरीर में जाएगा, तब क्या परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का फैसला करने वाले लोग शांति से खाना खा सकेंगे? इसके अलावा, गर्म होने पर समुद्री पानी बादलों में बदल जाता है, बादलों से बारिश होती है, फिर वर्षा का पानी नदी में गिरता है और अंततः समुद्र में जाता है। दुनिया में सब कुछ चक्कर है। जापान का फैसला मानव जाति की सुरक्षा के लिए खतरा है, सभी लोग इसका दृढ़ विरोध करेंगे।

चीन ने विवादित इलाके में सैकड़ों छोटी नावें तैनात कीं

हॉन्गकॉन्ग। चीन ने अपनी विस्तारवादी नीति को जारी रखते हुए विवादित दक्षिण चीन सागर इलाके में मछली पकडने वाली सैकड़ों नावों को तैनात कर दिया है। माना जा रहा है कि इस पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिक भी मौजूद हैं, जो इलाके पर चुपचाप कब्जा करने की फिराक में है। पश्चिमी देशों के विशेषज्ञों के मुताबिक, चूंकि जापान, फिलीपींस, मलेशिया जैसे देशों से इस इलाके को लेकर चीन का विवाद चल रहा है और सीधे युद्ध न करना पड़े, इसलिए चीन ने यह तरीका अपनाया है। मैक्सार टेक्नोलॉजीज ने दक्षिणी चीन सागर में स्थित व्हिट्सन रीफ में चीनी जहाजों की सैटेलाइट तस्वीर भी जारी की है, जिसमें सैकड़ों छोटी-छोटी नावें तैरती दिखाई दे रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नीले रंग की ये नावें चीनी सेना द्वारा नियंत्रित हैं और यह दक्षिणी चीन सागर और उससे आगे के क्षेत्र पर अपने दावों को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। इससे वह विवादित क्षेत्रों में मौजूदगी दर्ज करवाना चाहता है क्योंकि बिना लड़ाई के उसके लिए इन पर कब्जा करना असंभव है। सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के विशेषज्ञों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतने बड़े पैमाने पर चीनी नौकाओं का ऑपरेशन नहीं देखा है।

US में महावाणिज्यदूत जायसवाल ने कहा-आंबेडकर की शिक्षाओं का पालन करते रहेंगे लोग

न्यूयॉर्क:

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल ने कहा कि सामाजिक सुधार पर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के मूल्य और उनकी विरासत एक देश के तौर पर आगे बढ़ने में भारत का मार्गदर्शन करती रहेगी। भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार आंबेडकर की 130वीं जयंती पर बुधवार को भारत के महावाणिज्यदूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में जायसवाल ने कहा कि अंबेदकर राजनीतिक विचारक, राजनीतिक सुधारक, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, संविधानविद् और वकील थे जिन्होंने अपने जीवन में बड़ी ऊंचाइयां हासिल की। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क की श्री गुरु रविदास सभा के साथ मिलकर आयोजित किया गया। जायसवाल ने कहा कि आंबेडकर ने राष्ट्र निर्माण, स्वतंत्रता संघर्ष और सामाजिक सुधार समेत सभी मूल्यों पर बड़ा असर डाला और वह देश की प्रगति में हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क में अंबेदकर को याद करना महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने शहर में कई साल बिताए जिसमें कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान बिताए दिन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोग आंबेडकर की शिक्षाओं का पालन करते रहेंगे और उनकी जिंदगी से सीख लेते रहेंगे। जायसवाल ने कहा कि दुनिया के कई संविधानों में से एक भारत का संविधान सबसे अधिक समावेशी और प्रगतिशील है जो आंबेडकर की दूरदृष्टि से ही संभव हो सका।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने का फायदा उठा सकते हैं आतंकवादी संगठनःचीन

बीजिंग,

अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को सितंबर तक वापस बुलाने के अमेरिका के फैसले को लेकर चीन ने बृहस्पतिवार को चिंता प्रकट की। चीन ने कहा कि अमेरिका को अफगानिस्तान में आतंकवादी ताकतों को अव्यवस्था का फायदा उठाने से रोकने के लिए क्षेत्र के देशों की वैध सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखना चाहिए। बीजिंग ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को हटाये जाने के कदम को चीन द्वारा पैदा किये गये खतरों से जोड़े जाने को लेकर भी वाशिंगटन की आलोचना करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई दोनों देशों सहित सभी पक्षों के साझा हित में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां प्रेस वार्ता में अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की वाशिंगटन की योजना से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''अफगानिस्तान की मौजूदा स्थित अब भी जटिल और नाजुक है तथा आतंकवाद की समस्या हल होने से कोसों दूर है।'' उन्होंने कहा, '' अफगानिस्तान में तैनात विदेशी सैनिकों को जिम्मेदाराना और व्यवस्थित तरीके से वापस बुलाया जाना चाहिए, ताकि अफगानिस्तान में स्थानीय बलों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सुगमता से हस्तांतरित की जा सके और आतंकवादी ताकतों को अव्यवस्था का फायदा उठाने से रोका जा सके।'' प्रवक्ता ने कहा, ''अफगानिस्तान के मुद्दों को प्रभावित करने वाला अमेरिका सबसे बड़ा विदेशी कारक है...उसे अफगानिस्तान के शांतिपूर्ण नव-निर्माण का संरक्षण करने की पूरी जिम्मेदारी अवश्य लेनी चाहिए तथा क्षेत्र में अन्य देशों की सुरक्षा चिंताओं का ध्यान रखना चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या चीन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अमेरिका अपने सैनिकों को (अफगानिस्तान से) वापस बुला रहा है, प्रवक्ता ने कहा, ''अमेरिकी पक्ष इसे चीन की चुनौती से जोड़ रहा है।''

रूसी राजनयिक ने कहा-भारत को एस-400 तय वक्त पर मिलेगा

मास्को । अमेरिका के साथ बढ़ती भारत की नजदीकी उसे रूस से दूर ले जा रही है। नतीजा, पाकिस्तान के साथ रूस के रिश्ते दिन-ब-दिन गहराते जा रहे हैं। भारत भी इस पर कई बार चिंता जाहिर कर चुका है। इसके बाद बुधवार को रूस की तरफ से सफाई आई है। नई दिल्ली में रूस के राजनायिक निकोलय कुडाशेव और डिप्टी चीफ रोमन बाबुश्किन ने कहा कि भारत के साथ उनके संबंध पहले जैसे ही हैं। पाकिस्तान को हथियार सप्लाई करने की बात पर उन्होंने कहा कि रूस, पाकिस्तान को इसलिए हथियारों की सप्लाई करता है, ताकि वे आतंकियों से लड़ाई में उसका इस्तेमाल कर सकें। रूस कभी भारत को हथियार सप्लाई करने में पीछे नहीं हटेगा। अमेरिकी प्रतिबंधों के डर के बाद भी भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम टाइम पर मिलेगा। बता दें कि रूस नवंबर 2021 में भारत को एस-400 देने वाला है। भारत इसके लिए 5.43 अरब डॉलर की एडवांस पेमेंट भी कर चुका है। रूसी राजनायिकों ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के साथ रूस के रिश्ते में अंतर है। बाबुश्किन ने कहा कि ये सोचना गलत है कि रूस अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव कर रहा है। तीनों देश शंघाई कॉर्पोरेशन के सदस्य हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिहू, पोहेला की शुभकामनाएं दीं

गुवाहाटी/अगरतला।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रोंगाली बिहू, पोहेला बोइशाख और संक्रांति जैसे त्योहारों को मनाने वाले लोगों को शुभकामनाएं दी हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों, दक्षिण एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई नागरिकों को सोशल मीडिया के माध्यम से उनके नववर्ष पर शुभकामनाएं दीं। बाइडेन ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर मंगलवार को लिखा, जिल (प्रथम महिला) और मैं (बाइडेन) दक्षिण एशिया एवं दक्षिण पूर्व एशियाई समुदायों को वैशाखी, नवरात्रि और इस सप्ताह आगामी नववर्ष की शुभकामनाएं देते हैं। इसके साथ ही बाइडेन ने अल्थ अवुरुदा, बिहू, चैती चंद, गुड़ी पड़वा, खमेर नववर्ष, नवरेह, पोइला बोइशाख, पाना संक्रांति, पी माई, पुथंडु, रोंगाली बिहू, सोंगक्रान, तमिल नव वर्ष, उगादी और विशु को लेकर भी अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि आशा के इस मौसम में, हम कामना कर रहे हैं कि यह नव वर्ष आपके और आपके परिवार के लिए समृद्धि और प्रकाश लेकर लाए। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोगों को इन त्योहारों की शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा के लोगों को उड़िया नववर्ष और महा बिशुबा पना संक्रांति पर अपनी शुभकामनाएं दी हैं। एक ट्वीट में मोदी ने सभी को उड़िया नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा, उड़िया नववर्ष और महा बिशुबा पना संक्रांति के पावन अवसर पर ओडिशा के लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि आने वाले वर्ष में आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हों। प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ्य और प्रसन्न रहे। मोदी ने पुथांडु के पावन उत्सव पर दुनिया भर के और तमिलनाडु के तमिल भाइयों और बहनों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, तमिल संस्कृति की महानता उज्जवल रहे। इस प्रसन्नतापूर्ण और पावन दिवस पर मैं प्रार्थना करता हूं कि नया वर्ष सभी के जीवन को स्वास्थ्य, प्रसन्नता और समृद्धि से परिपूर्ण कर दे।

फ्रांस ने जारी की एडवाइजरी- सभी फ्रांसीसी नागरिक व कंपनियां तुरंत छोड़ दें पाकिस्तान

इंटरनेशनल डेस्क:

फ्रांस ने पाकिस्तान में चल रहे प्रदर्शनों के मद्देनजर फ्रांसिसी नागरिकों और कंपनियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। फ्रांस सरकार ने फ्रांसिसी दूतावास के सभी नागरिकों को तुरंत पाकिस्तान छोड़ने का आदेश दिया है। इसके अलावा पाकिस्तान में रहने वाले फ्रांस के लोगों व कंपनियों को तुरंत पाक को छोड़ने की सलाह दी गई है। फ्रांस ने अपने नागरिकों और कंपनियों को सलाह दी है कि उन्हें अस्थायी तौर पर पाकिस्तान छोड़ देना चाहिए क्योंकि देश में फ्रांसिसी हित पर गंभीर खतरा है। फ्रांसीसी दूतावास ने एक ईमेल के जरिए बताया है कि उनके ऊपर गंभीर खतरा मंडरा रहा है इसलिए पाकिस्तान के किसी भी हिस्से में रहने वाला फ्रांसीसी नागरिक तुरंत ही दूसरे देश रवाना हो जाए। इस सप्ताह फ्रांस विरोधी हिंसक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान में फ्रांस के दूतावास ने यह एडवाइजरी जारी की है। फ्रांस दूतावास के प्रेस प्रवक्ता ओनिक वैगनर ने कहा, ÷हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि हमने विरोध प्रदर्शनों की वजह से पाकिस्तान में अपने सभी नागरिकों को अस्थायी रूप से देश छोड़ने एहतियाती नोटिस भेजा है।÷ उन्होंने कहा कि हालांकि दूतावास को बंद नहीं किया गया है लेकिन सीमित कर्मचारियों के साथ काम कर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान के कई शहरों में इन दिनों कट्टरपंथी संगठन फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ने को लेकर उग्र विरोध कर रहे हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन की सरकार द्वारा पैगंबर को दर्शाती कार्टून को फिर से प्रकाशित करने के अधिकार के लिए समर्थन व्यक्त किए जाने के बाद से पाकिस्तान में महीनों से विरोधी-फ्रांसीसी भावनाएं उबल रही हैं। बुधवार को, पाकिस्तानी सरकार ने हिंसक प्रदर्शन को लेकर तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। टीएलपी के नेता साद रिज़वी ने फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने का आह्वान किया था। साद रिज़वी को पाकिस्तान के शहरों में सड़कों पर अपने हजारों समर्थकों को लाने के बाद हिरासत में ले लिया गया था।

परमाणु अपशिष्ट जल के जापान के निपटान पर दुनिया को बिल का भुगतान नहीं करना चाहिए

बीजिंग।

जापान सरकार ने समुद्री निर्वहन के तरीके से फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र दुर्घटना से परमाणु अपशिष्ट जल के निपटान का आधिकारिक निर्णय लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चाओ लीच्येन ने 14 अप्रैल को कहा कि महासागर जापान का कचरा नहीं है, और प्रशांत जापान का गंदा नाला भी नहीं है। जापान के परमाणु अपशिष्ट जल के निपटान पर दुनिया को बिल का भुगतान नहीं करना चाहिए। जापान सरकार द्वारा निर्णय लिए जाने के बाद दक्षिण कोरिया ने अपने देश में जापानी राजदूत को बुलाकर गंभीरता से मामला उठाया। रूस ने भी इस पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि जापान को पारदर्शिता दिखाकर जिम्मेदारी उठानी चाहिए। वहीं, यूरोपीय आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि जापान को अपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करते हुए किसी भी उत्सर्जन की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। चीनी प्रवक्ता चाओ ली च्येन ने कहा कि जापान का फैसला एक गंभीर परमाणु दुर्घटना के बाद समुद्र में अपशिष्ट जल के निर्वहन के लिए एक मिसाल कायम करेगा। जापान, समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्ता है और उसे कन्वेंशन के संबंधित प्रावधानों के बारे में पता होना चाहिए। प्रवक्ता ने जापान से अपनी जिम्मेदारी निभाने, वैज्ञानिक रुख अपनाने, अंतर्राष्ट्रीय दायित्व निभाने, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, पड़ोसी देश और घरेलू नागरिकों की गंभीर चिंताओं के प्रति प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया।

अफगानिस्तान से अमेरिकी, नाटो सैनिकों को वापस बुलाने से बढ़ेगी भारत की चिंता : विशेषज्ञ

वाशिंगटन,

विशेषज्ञों ने कहा है कि अमेरिका और नाटो के सैनिकों को 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से वापस बुलाये जाने पर तालिबान का फिर से सिर उठाना और इस युद्धग्रस्त देश का आतंकवादियों द्वारा शरणस्थली के रूप में उपयोग किया जाना भारत के लिए चिंता का विषय होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को घोषणा की कि अफगानिस्तान में करीब दो दशक के बाद इस साल 11 सितंबर तक वहां से सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुला लिया जायेगा। इसके बाद, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने भी कहा कि वह अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुला लेगा। बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन क्षेत्र के अन्य देशों, विशेष रूप से पाकिस्तान, रूस, चीन, भारत और तुर्की से अफगानिस्तान की और अधिक सहायता करने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा, ''उन सभी का अफगानिस्तान के स्थिर भविष्य में महत्वपूर्ण हित है।'' बाइडन ने कहा, ''हम आनन-फानन में वहां से सैनिकों को वापस नहीं बुलाने जा रहे हैं। हम इसे जिम्मेदारी के साथ, सोच विचार कर और सुरक्षित रूप से करेंगे। हम अपने सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ पूरा समन्वय करते हुए इसे करेंगे, जिनके अब अफगानिस्तान में हमारी तुलना में कहीं अधिक सुरक्षा बल हैं।'' हालांकि, अमेरिकी विशेषज्ञ और क्षेत्र के देश, खासतौर पर भारत वहां से अमेरिकी सैनिकों की वापसी और तालिबान आतंकवादियों की गतिविधियों को बड़ी चिंता के रूप में देखेगा।

पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में राष्ट्रपति की उपसलाहकार और 2017-2021 के लिए दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों में एनएससी की वरिष्ठ निदेशक रहीं लीज़ा कर्टिस ने कहा, '' क्षेत्र के देशों, खासतौर पर भारत, अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुलाये जाने से और वहां (अफगानिस्तान में) तालिबान के फिर से सिर उठने से अत्यधिक चिंतित होगा।''

यारलुंग जंगबो नदी पर हाइड्रोपॉवर स्टेशन : गलतफहमी द्विपक्षीय सहयोग के लिए हानिकारक है

बीजिंग।

मैंने कई लेख लिखे हैं और मैं यह बताना चाहता हूं कि चीन और भारत के संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बात आपसी समझ और सहयोग है। हालांकि, दोनों देशों के संबंध अक्सर गलतफहमियों से गंभीर रूप से ग्रस्त हो जाते हैं। इस संबंध में, मीडिया की जिम्मेदारी अपरिहार्य है।

उदाहरण के लिए, हाल ही में कुछ भारतीय मीडिया ने तिब्बत स्वायत्त प्रदेश की यारलुंग जंगबो नदी पर चीन के जलविद्युत स्टेशन के निर्माण को बढ़ा-चढ़ाकर रिपोटिंग की और कहा कि यह बांध भारतीय निवासियों के हितों को नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, भारत को चीन की बांध योजना का दृढ़ता से विरोध करना चाहिए। हालांकि, जहां तक मुझे पता है कि चीन ने यारलुंग जंगबो नदी पर अब तक कोई बड़ा जलाशय नहीं बनाया है। यारलुंग जंगबो नदी चीन के छिंगहाई-तिब्बत पठार पर बहती है। वह तिब्बत की मिलिन काउंटी से गुजरकर हिमालय पर्वत के सबसे पूर्वी बिंदु पर स्थित नंगा बावा चोटी से दक्षिण की ओर बहने लगती है। यहां पर दुनिया की सबसे बड़ी घाटी यारलुंग जंगबो महा घाटी का आकार संपन्न है। फिर वह चीन-भारत सीमा की वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार कर दक्षिणी तिब्बत के भारत-नियंत्रित क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद असम प्रदेश में बहती है और यहां इसका नाम बदलकर ब्रह्मपुत्र नदी हो जाता है। बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इसे जमुना नदी कहा जाता है और जहां वह गंगा नदी से मिलकर अंत में बंगाल की खाड़ी में बह जाती है। यारलुंग जंग्बो नदी गंगा नदी की शाखा नहीं है। यारलुंग जंग्बो नदी की स्थितियां भारत की गंगा नदी की ही तरह हैं। अर्थात् वे अंतर्राष्ट्रीय जल नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी नदी है जिसका ऊपर भाग एक देश में, जबकि निचला भाग एक दूसरे देश में रहता है। निश्चय ही, ऐसी एक नदी पर जल संरक्षण सुविधाओं का निर्माण दूसरे देशों को अनिवार्य रूप से प्रभावित करेगा। उदाहरण के लिए, भारत ने गंगा नदी पर कुछ बांधों का निर्माण भी किया है, ताकि कोलकाता सहित उत्तरी भारत में अधिक पानी आ सके। विशेष रूप से शुष्क मौसम के दौरान, गंगा नदी के आधे पानी का अवरोधन भारत द्वारा किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप निचले भाग की ओर स्थित बांग्लादेश में बहने वाली नदी में पानी की कमी होती है। इस तरह के मुद्दों पर दोनों देशों के राजनयिक और हाइड्रोलॉजिकल विभागों के बीच परामर्श और सहयोग पर भरोसा करना चाहिए। और पड़ोसी देशों के बीच संबंधों का दोस्ताना माहौल भी अपरिहार्य है।

संपादकीय

परीक्षाओं का सम्मान

कोरोना ने अपना प्रहार बढ़ा दिया है और उसके नतीजे आए दिन सामने आने लगे हैं। अंततः केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित और 10वीं की परीक्षाओं को रद्द करने पर मजबूर हो गया। संक्रमण के बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो बैठक प्रस्तावित थी, उसके पहले ही यह अंदाजा लगने लगा था कि सरकार बड़ा फैसला करने वाली है। जब देश में प्रतिदिन संक्रमण के मामले दो लाख के करीब पहुंच गए हैं, तब सामूहिक रूप से एक साथ बैठाकर बच्चों की परीक्षा लेना कतई सही नहीं होता। दसवीं की परीक्षा को पहले ही बहुत टाल दिया गया था, लेकिन अब उसे टालना नामुमकिन था, इसलिए उसे रद्द करने में ही सरकार ने सबकी भलाई समझी। 12वीं की परीक्षा चूंकि आगे की पेशेवर पढ़ाई के लिए जरूरी होती है, इसलिए उसके लिए सरकार उचित ही इंतजार करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व केंद्रीय शिक्षा सचिव और अन्य शीर्ष अधिकारियों की बैठक में लिए गए फैसलों का स्वागत करना चाहिए। सुरक्षा के तमाम इंतजामों के बावूजद 4 मई से 14 जून के बीच परीक्षा लेना खतरे से खाली नहीं होता। अब राज्यों को भी अपने यहां बोर्ड परीक्षाओं के बारे में फैसला लेने में आसानी होगी। महत्वपूर्ण फैसले के अनुसार, आंतरिक मूल्यांकन से ही छात्रों को दसवीं में पास कर दिया जाएगा। जाहिर है, उन बच्चों के साथ यह नाइंसाइफी है, जो वर्षों से इस परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे थे। निकट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दसवीं की परीक्षा रद्द कर दी गई है, वरना दसवीं की परीक्षा का पारिवारिक-शैक्षणिक तनाव पांचवीं-छठी कक्षा से ही शुरू हो जाता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अभी दसवीं की परीक्षा से वंचित बच्चों को दोबारा मौका नहीं मिलेगा। जब कोरोना का असर कम होगा, तब सरकार दसवीं की परीक्षा कराएगी और उसमें वे तमाम बच्चे शामिल हो सकेंगे, जो आंतरिक मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं होंगे। जहां तक 12वीं की परीक्षा का सवाल है, तो सरकार 1 जून को देश में कोरोना का हाल देखने के बाद फैसला लेगी। समय आ गया है, अब शिक्षा अधिकारियों को पारंपरिक परीक्षा के बेहतर विकल्प पर सोचना पड़ेगा। परीक्षाओं को रद्द करते चलना देश की शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए ठीक नहीं है। जिन नेताओं ने विद्यार्थियों के हित में परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की है, उन्हें भी परीक्षा के ऐसे ढांचे पर विचार करना चाहिए, जिससे कोरोना जैसी आपदाओं के समय भी छात्रों की सही परीक्षा ली जा सके और उनका यथोचित मूल्यांकन किया जा सके। दसवीं पास करने जा रहे विद्यार्थियों के मूल्यांकन की पद्धति भी पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को संतुष्ट किया जा सके। सरकार और बोर्ड को आंतरिक मूल्यांकन के पैमाने भी तय करने होंगे, जिस पर सभी स्कूलों को चलने के लिए पाबंद करना होगा। सरकार के इस फैसले से छात्रों के बीच यह भी संदेश गया है कि पढ़ाई के दौरान हर परीक्षा को गंभीरता से लेना चाहिए। हो सकता है, भविष्य हमें फाइनल परीक्षा का मौका ही न दे और पहले के प्रदर्शन के आधार पर ही स्कूल या बोर्ड चालू मूल्यांकन करने लगें। अतः विपरीत हालात में लिया गया सरकार का यह फैसला विद्यार्थियों के लिए सबक है, जिसकी रोशनी आगे हमेशा काम आएगी।

आज के ट्वीट

मुस्कान

अगर आपकी एक छोटी सी मुस्कान से आपकी फ़ोटो इतनी खूबसूरत हो सकती हैं, तो सोचिए हमेशा मुस्कुराने से आपकी जिन्दगी कितनी खूबसूरत होगी।

--विवेक बिन्द्रा

इमरान के नये पाकिस्तान में हरकतें पुरानी

जी. पार्थसारथी

भारत के लिए अपने पड़ोसी मुल्कों से दरपेश समस्याओं में पाकिस्तान से तनाव एक स्थाई सिरदर्द है। लेकिन हालिया घटनाक्रम के मुताबिक क्या हम, एक लंबे इंतजार के बाद, अंततः नया पाकिस्तान देखने जा रहे हैं। वह मुल्क, जिसकी सेना तख्ता पलट को हमेशा आमादा रही है, अब वही भारत के साथ तनाव घटाने का समर्थन कर रही है। पिछले दिनों भारत और पाक के रिश्तों में उम्मीद महसूस की गई कि दोनों देश शांति और सौहार्द से रहने हेतु संवाद करने के इच्छुक दिखाई दिए। ज्यादातर भारतीय महसूस करते हैं कि पाक राजनेताओं में इमरान खान के मन में भारत विरोधी खुन्नस सबसे अधिक है। इमरान खान द्वारा स्थापित तहरीक-ए-इंसाफ दल की सैद्धांतिक सोच आईएसआई के पूर्व मुखिया और कट्टर भारत विरोधी ले. जनरल हमीद गुल ने डाली थी। लोगबाग मजाक में इमरान खान को 'तालिबान खान' पुकारते हैं। पाक के 'सदाबहार मित्र' चीन के लिए इमरान खान के भारत विरोधी बयान एक मुंह मांगी मुराद सरीखे हैं। ऐसा करके वे चीन के सरकारी ग्लोबल टाइम्स अखबार में रोज-ब-रोज छपने वाले भारत विरोधी एजेंडे का प्रतिपादन करते हैं। हालांकि, पाकिस्तान में भी काफी लोग हैं, जिनका मानना है कि मौजूदा महामारी से बनी चुनौतियों से निपटने को आर्थिक मोर्चे पर यथार्थवादी होने की फौरी जरूरत है। पाक ने गौर किया होगा कि जहां उसका विदेशी मुद्रा भंडार घटकर महज 14.8 खरब डॉलर रह गया है, वहीं विगत के पूरबी हमबिरादर यानी आज के बांग्लादेश ने लगातार तरक्की करते हुए अपना विदेशी मुद्रा भंडार 44 खरब डॉलर कर लिया है। फिलवक्त बांग्लादेश की आर्थिकी तेजी से ऊपर उठ रही है। वर्ष 1971 में पाकिस्तान से छुटकारा पाने के बाद 50 सालों में उसने अपने पूर्व हुक्मरान को लगभग सभी वित्तीय, सामाजिक और आर्थिक सूचकांकों में पछाड़ दिया है। पाकिस्तानी भी मानते हैं कि मुल्क को आर्थिक तरक्की पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसके लिए पास-पड़ोस से शांति और सौहार्द कायम रखना जरूरी है। पाक के सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा, जो अपने पूर्ववर्तियों की भांति, मुल्क के बेताज बादशाह हैं, उन्होंने भी अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और संपर्क को बढ़ावा देने वाले उपाय करने का आह्वान किया है। कुछ दिन पहले भारत और पाक के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स के बीच वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा पर शांति रखने वाले करार पर सहमति बनी है। इसी बीच इमरान खान मंत्रिमंडल की आर्थिक समन्वय समिति, जिसके अध्यक्ष वित्त मंत्री हम्माद अज़ार हैं, उसने आर्थिकी को बचाने की खातिर भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करने की सिफारिश कर डाली, विशेषकर वस्त्र और कृषि वस्तुओं में। परंतु पाकिस्तानी काबीना ने अगले ही दिन मंत्रिमंडलीय आर्थिक समन्वयन समिति की इस सिफारिश को खारिज कर दिया। विरोध करने वालों में सबसे आगे मानवाधिकार विभाग के मंत्री शिरिन मज़ारी एक थे, जिनका अपना इतिहास भारत-विरोधी लेखों और बयानों का रहा है। उनका साथ देने वालों में तीखे तेवर रखने वाले विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और गृह मंत्री शेख राशिद थे। शिरिन मज़ारी ने जोर देकर कहा 'काबीना का स्पष्ट मत है कि भारत के साथ कोई व्यापार नहीं होगा। प्रधानमंत्री इमरान खान ने पहले ही साफ कर रखा है कि भारत के साथ तब तक संबंध सामान्य नहीं होंगे जब तक वह जम्मू-कश्मीर को लेकर 5 अगस्त, 2019 की कार्रवाई वापस नहीं लेता'। लगता है सेनाध्यक्ष बाजवा की पहल पर भारत के साथ रिश्तों में मधुरता बनाने वाले काम को पलीता लगाने के लिए इमरान खान दृढ़ निश्चयी हैं। ऐसा करके वे जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर खुद को ज्यादा राष्ट्रवादी स्थापित करना चाह रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि समिति की सिफारिशें रद्द करने से सेना में जनरल बाजवा के विरोधी खुश हुए होंगे, जिनमें आईएसआई मुखिया ले. जनरल फैज़ हमीद एक हैं और बाजवा की जगह लेने की दौड़ में हैं। किंतु ठीक इसी समय वही आईएसआई मुखिया सेनाध्यक्ष के प्रति अपनी स्थाई वफादारी की कसमें भी उठा रहे हैं! जहां जनरल हमीद के रुख ने इमरान खान को उन लोगों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद की है जो जनरल बाजवा के प्रतिद्वंद्वी हैं, वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने पाया होगा कि अपनी इस हरकत से उन्होंने राजनीतिक विरोधियों जैसे कि पीपीपी के अध्यक्ष आसिफ अली ज़रदारी और मुल्क में कट्टरवादी इस्लामी तत्वों का तगड़ा समर्थन प्राप्त जेयूआई मुखिया मौलाना फज़लुर रहमान के लिए खुद को तगड़ी राजनीतिक चुनौती देने की राहें खोल डाली हैं। बेशक इमरान खान को अपने राजनीतिक दौर का वह आरंभिक दौर याद होगा, जब नवाज़ शरीफ को चुनौती देने में सेना ने काफी मदद की थी। यह साफ है कि जनरल बाजवा के साथ उनके मौजूदा संबंध अब पहले जितने मधुर नहीं रहे, लिहाजा इमरान यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि सैनिक प्रतिष्ठान के उच्च-गलियारों में अपने लिए समर्थन बना रहे। वह एक ही समय में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को आसान बनाने में पूरी मदद करेंगे, तो वहीं खुद को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग का भरोसेमंद वफादार भी दर्शाने में लगे हैं। जाहिर है रूस और चीन दोनों की नज़र अफगानिस्तान की बहुमूल्य खनिज संपदा, दुर्लभ भूमि पदार्थ और स्रोतों पर है। ऐसे जटिल परिदृश्य में भारत को अपने पत्ते काफी दक्षता से चलने होंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जो 1980 के दशक के आरंभिक वर्षों में इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास में नियुक्त रह चुके हैं, वहां रहकर उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक

जटिलताओं को समझने का नज़रिया विकसित किया है। आगे बढ़ने की दिशा में आरंभिक कदम के तौर पर दोनों मुल्कों को एक-दूसरे की राजधानी में अपने उच्चायुक्त फिर से बहाल करने चाहिए। हालांकि अजीत डोभाल के लिए 'पर्दे के पीछे वाला संपर्क' बनाए रखने में मार्गदर्शन करते रहना ज्यादा माफिक होगा। पाकिस्तान में भारत का उच्चायुक्त रहते हुए खास साख अर्जित करने वाले सतिंदर लाम्बा ने वर्ष 2003 में कारगिल युद्ध विराम के बाद जनरल मुशर्रफ के विश्वस्त तारिक अज़ीज के साथ भारत की ओर से 'पर्दे के पीछे' बतौर विशेष दूत वार्ता-संपर्क बनाने में प्रशंसनीय काम किया था। किंतु इस पूरी संवाद प्रक्रिया को मुशर्रफ के बाद अगले सेनाध्यक्ष बने जनरल कयानी ने पटरी से उतार दिया था। इमरान खान को नेक सलाह है कि वह उस वार्ता का तफ्सील से अध्ययन करे, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सरल पेशकश प्रस्तुत की थी। उन्होंने कहा था 'सीमा रेखाएं पुनः खींचना संभव नहीं है, लेकिन हम मिलकर सीमाओं को इस कदर बेमानी बना डालें कि उनका वजूद महज नक्शे पर बनी लकीर जितना रह जाए, ताकि नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोग खुलकर एक-दूसरे के यहां आ-जा और व्यापार कर सकें।' लेकिन हमारी सीमाओं पर अहिंसा और शांति बनाए रखने वाले अगले उपाय जटिल हो सकते हैं। उम्मीद करें कि बाइडेन प्रशासन ईरान पर प्रतिबंध खत्म करने में समझदारी और दूरदृष्टि से काम लेगा। पूरबी सीमा पर लगते अफगानिस्तान के उन सीमांत इलाकों में ईरान का खासा प्रभाव है जहां अभी तक आईएसआई के बनाए वहाबी सोच वाले कट्टर इस्लामिक चेले अपना नियंत्रण नहीं बना पाए हैं। जम्मू-कश्मीर में हमें राजनीतिक प्रक्रियाएं फिर से शुरू करनी चाहिए, जब कश्मीर घाटी और जम्मू संभाग में हालात सामान्य हो जाएं, तब पुनः राज्य का दर्जा भी बहाल किया जाए। इसी बीच शांति और स्थायित्व की कामना रखने वाले लोग पाकिस्तान को सीमापारीय घुसपैठ के यत्न पुनः शुरू न करने को चेताएं। यदि लद्दाख क्षेत्र में चीन 'थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़कर इलाका हड़पने' वाली अपनी हरकत छोड़ दे तो इस प्रक्रिया में आगे मदद मिलेगी।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

सेवा कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

सेवा ऐसा कार्य है जो लगता तो सामान्य, छोटा और कुछ लोगों की दृष्टि से ओछा भी पर वस्तुतः सही मायने में व्यक्तियों के व्यक्तित्व को सुगढ़ बनाने, परिमार्जित करने और तप तितिक्षा के लिए तैयार करने में आधार का काम करता है। संत विनोबा, गांधी जी, मदर टेरेसा आदि पुण्यात्मा सेवा कार्य को आजीवन करते रहे। वे समझते थे सेवा की महत्ता को। सेवा कार्य आत्मा की आवश्यकता का पोषण है। उसको निरंतर और निर्बाध गति से करते रहना इसलिए आवश्यक है कि हम जीवित रहें, हमारी आत्मा और उसकी सुरुचि जीवित रहे। किसी पर एहसान करने के लिए, दूसरों के सहायक और उपकारी बनने के लिए, अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए भी नहीं। सेवा का प्रयोजन आत्मा की गरिमा को अक्षुण्ण रखने और उसका जीवन साधन जुटाए रखने के लिए है। इसलिए इसे करते रहना चाहिए। ऐसा सोचना उचित नहीं कि मैंने इतना तो कर लिया, क्या अब सदा ही करता रहूंगा? जो सेवा की आवश्यकता और महत्ता को समझता है, उसे उससे कभी भी ऊब नहीं आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसास्वादन कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमक्खी जानती है और वह जन्म से लेकर मरण पर्यंत अनवरत रूप से उसी मधुरिमा में निमग्न रहती है। न थकती है, न ऊबती है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धंधा ढूंढेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोच सकती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्वीकार भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराग से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सौंदर्य के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठे भी कहां? करे भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्टता का अभ्यस्त हो गया, उन्हें निकृष्टता की दुर्गंध में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

नदियों को बचाने में सरकार व जनता की भागीदारी जरूरी

डॉ. दिनेश प्रसाद मिश्र

भारत में राष्ट्रीय जल दिवस 14 अप्रैल तो विश्व संरक्षण दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। इस आलोक में देखें तो भारत एक जल समृद्ध देश है, किंतु नदियों के संरक्षण-संवर्धन एवं उनके अविरल प्रवाह को बनाए रखने हेतु कोई नीति-योजना न होने के कारण नदियां, वैज्ञानिक प्रगति, अंधाधुंध शहरीकरण एवं तथाकथित राष्ट्रीय विकास के नाम पर किये जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर निरंतर प्रदूषित होती जा रही हैं। देश की बड़ी- बड़ी नदियां तो किसी न किसी रूप में अपना अस्तित्व बचाए हुए हैं किंतु उनको जल की आपूर्ति करने वाली करीब 4 हजार, 500 से अधिक छोटी-छोटी नदियां सूखकर विलुप्त हो गई हैं। आज जल प्रबंधन राष्ट्र एवं सरकार के समक्ष एक बड़ी समस्या है, जिसके सुनियोजित उपक्रम से देश में उपलब्ध जल की अगाध राशि का सुचारू उपयोग कर जल संकट से निदान पाया जा सकता है। डब्ल्यू आर आई के मुताबिक, जल संकट के मामले में भारत विश्व में 13वें स्थान पर है। भारत के लिए इस मोर्चे पर चुनौती बड़ी है, क्योंकि उसकी आबादी जल संकट का सामना कर रहे अन्य समस्याग्रस्त 16 देशों से 3 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार भारत के उत्तरी भाग में जल संकट भूजल स्तर के अत्यंत नीचे चले जाने के कारण अत्यंत गंभीर है। यहां जल संकट 'डे जीरो' के कगार पर है। इस स्थिति में नलों का पानी भी सूख जाता है। विगत दिनों बंगलौर एवं चेन्नई में यह स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। कम हो रही वर्षा तथा निरन्तर गिरते भूगर्भ जलस्तर को देखते हुये निकट भविष्य में सम्पूर्ण भारत, विशेष रूप से उत्तर भारत में पानी की अत्यन्त कमी अतिशीघ्र होने वाली है, जिसे भांपकर ही प्रधानमंत्री मोदी ने द्वितीय बार शपथ ग्रहण करने के पश्चात अपनी पहली 'मन की बात' में जल समस्या से निजात पाने के लिए जल संरक्षण हेतु जनान्दोलन चलाने की बात कही। आज देश के अनेक भागों में जल की अनुपलब्धता के कारण आंदोलन और संघर्ष हो रहे हैं। देश के लगभग 70ब्र घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं है। लगभग 4 करोड़ लोग प्रतिवर्ष प्रदूषित पानी पीने से बीमार होते हैं तथा लगभग 6 करोड़ लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए विवश हैं। देश में प्रतिवर्ष लगभग 4000 अरब घनमीटर पानी वर्षा के जल के रूप में प्राप्त होता है किंतु उसका लगभग 8ब्र पानी ही हम संरक्षित कर पाते हैं, शेष पानी नदियों, नालों के माध्यम से बहकर समुद्र में चला जाता है। हमारी सांस्कृतिक परंपरा में वर्षा के जल को संरक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया गया था, जिसके चलते स्थान स्थान पर पोखर, तालाब, बावड़ी, कुआं आदि निर्मित कराए जाते थे, जिनमें वर्षा का जल एकत्र होता था तथा वह वर्ष भर जीव-जंतुओं सहित मनुष्यों के लिए भी उपलब्ध होता था। अब वैज्ञानिक प्रगति के नाम पर इन्हें संरक्षण न दिए जाने के कारण अबतक लगभग 4 हजार, 500 नदियां तथा 20 हजार तालाब झील आदि सूख गई हैं। भारत की कृषि पूर्णतया वर्षा जल पर निर्भर है। वर्षा पर्याप्त होने पर सिंचाई के अन्य साधन सुलभ हो जाते हैं किंतु वर्षा न होने पर सभी साधन जवाब दे देते हैं और कृषि सूखे का शिकार हो जाती है। चीनी उत्पादक महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश के किसान निरंतर गन्ने की खेती पर बल दे रहे हैं और सरकार भी गन्ना उत्पादन के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। धान की खेती के लिए पंजाब, छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश इत्यादि अनेक राज्य धान की फसल का क्षेत्रफल निरंतर बढ़ाते जा रहे हैं किंतु उसके लिए पानी प्राप्त न होने के कारण पानी भूगर्भ से निकाल कर खेतों को सींचा जा रहा है। इससे भी भूगर्भ जल का स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। स्पष्ट है कि जल प्रदूषण के अनेक स्रोत हैं जो सामूहिक रूप से जल को प्रदूषित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं शहरीकरण के परिणाम घरेलू सीवेज, अनियंत्रित तथा हरित क्रांति के परिणामस्वरूप पानी पर अवलंबित खेती एवं औद्योगिक अपशिष्ट तथा कृषि कार्यों में अत्यधिक प्रयोग में लाए गए कीटनाशक, जल में घुल मिलकर भूगर्भ के जल को अत्यधिक मात्रा में प्रदूषित कर रहे हैं। इन स्थितियों से निजात पाने के संदर्भ में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान यह घोषणा की थी कि पुनः सत्ता में आने पर खेती को पानी तथा हर घर को सन 2024 तक नल के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराया जायेगा। इसे दृष्टि में रखते हुए हर खेत को पानी के साथ हर घर को भी नल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने तथा सूख रही नदियों को पुनर्जीवित करने, नदियों में विद्यमान प्रदूषण को समाप्त करने तथा स्वच्छ जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जन सहयोग के साथ सरकारी व्यवस्था के अंतर्गत जल संरक्षण योजना को मूर्त रूप देने का कार्य विचाराधीन है। संभव है वह निकट भविष्य में मूर्त रूप ले। पानी की गंभीर समस्या को देखते हुए आज जल संरक्षण हेतु जन आंदोलन की प्रबल आवश्यकता है क्योंकि पानी की कमी से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की सीमा निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री का मानना है कि देशवासियों के सामर्थ्य, सहयोग और संकल्प से मौजूदा जल संकट का समाधान प्राप्त कर लिया जाएगा, किंतु जल संरक्षण के तौर-तरीकों को प्रयोग में लाने के लिए सरकारी तंत्र की भूमिका बहुत आशाजनक नहीं है। यद्यपि सरकार ने विभिन्न राज्यों में जल संरक्षण संबंधी नियम कानून बना रखे हैं लेकिन व्यवहार में वे नियम कानून कागजों तक ही सीमित हैं। उधर, देश के अनेक बड़े हिस्सों में जनता चाहकर भी इस कार्य में हिस्सेदार नहीं बन पाती। फलस्वरूप बारिश का अधिकांश जल बहकर समुद्र में चला जाता है। आज आवश्यकता है कि जल संरक्षण हेतु जन आंदोलन का रूप देने के लिए न केवल सरकार सक्रिय हो बल्कि राज्य सरकारों के साथ उनकी विभिन्न एजेंसियों को भी सक्रिय करें, जिससे न केवल बारिश के जल को तो संरक्षित किया ही जा सके अपितु पानी की बर्बादी रोकी जा सके।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह — व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक — व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन — जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

फ्रिज में अंडे रखने से हो सकते हैं ये नुकसान!

कहीं सब्जियां खराब न हो जाएं इसलिए हम इन्हें फ्रिज में रख देते है। ऐसे ही हम फ्रिज में जूस,फ्रूट और अंडों को भी रख देते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि फ्रिज में अंडा स्टोर करने से कई नुकसान होते है? जी हां, हाल में हुए एक अध्ययन में यह बात साबित हुई है कि अंडों को फ्रिज में रखना सुरक्षित नहीं हैं। आइए जानें, फ्रिज में अंडा रखने के नुकसान।

1. अगर हम फ्रेश अंडे को उबालते हैं तो वे फूटते नहीं हैं लेकिन फ्रिज में रखें अंडे को उबालने पर वह फूट जाते है।

2. अंडे को फ्रिज में रखने से इसके छिलके पर मौजूद बैक्टीरिया की गति बढ़ जाती है और इस अंडे का सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

3. अक्सर ऐसा होता है कि अंडे के ऊपरी भाग में गंदगी रह जाती है, जिससे फ्रिज की दूसरी चीजें भी प्रभावित होती है।

4. वैसे कहते हैं कि फ्रिज में रखे अंडे बाहर रखे अंडों की तुलना में ज्यादा दिन तक सही रहते है लेकिन फ्रिज में कूलिंग ज्यादा होने से इसके पोषक तत्व खत्म हो जाते है।

घर शिफ्ट

कर रहे हैं तो घबराएं नहीं, अपनाएं ये टिप्स

आपने नया घर बनाया है या किराए का घर बदलाना है तो शिफ्ट करने के नाम पर ही सिर चकराने लगता है। और अगर आपने हाल ही में अपने नए घर में शिफ्ट किया है ?या फिर जल्द ही वहां शिफ्ट होने वाले हैं तो सामान अड्जस्ट करने के बाद जो सबसे जरूरी काम होता है वो है वहां का डेकोर या साज-सज्जा। ऐसे में कंफ्यूजन शुरू हो जाता है कि आखिर शुरुआत कहां से करें । आपके सामने भी अगर ऐसी ही सिचुएशन है तो जानिए ये टिप्स...

रंगों पर दें खास ध्यान

रंगों का चुनाव डेकोर का सबसे जरूरी हिस्सा होता है क्योंकि इसे जल्दी नहीं चेंज किया जा सकता । इसलिए घर के सभी एरिया के रंग यानी बैडरूम, किचन, लिविंग रूम, डाइनिंग रूम के रंगों को बदल दें ताकि बदलाव साफ दिखाई दे। अगर आपने फ्लैट सेलेक्ट किया हो और आपको वहां का पेंट पसंद नहीं है तो सबसे पहले आप वहां की पेंटिंग का काम शुरू कर सकते हैं। ब्राइट और रिच कलर्स घर को जीवंत रूप देते हैं।

फैमिली फोटोज से सजाए दीवारें

घर को पर्सनलाइज्ड टच देने के लिए फैमिली फोटोज सबसे बढ़िया ऑप्शन है। डेकोर के लिए सबसे पहले फैमिली की कुछ हैप्पी फोटोज सिलेक्ट करें और उन्हें स्टाइलिश फ्रेम्स में लगाकर डिस्प्ले करें। अगर आप महंगी पेंटिंग्स खरीदने के मूड में नहीं तो पुरानी बुक्स के खूबसूरत कवर्स, कैलेंडर्स को काट कर उन्हें फ्रेम करवा सकते हैं। इसके अलावा अगर पेंटिंग या हैंडीक्राफ्ट बनाने का शौक हो तो नए घर के लिए आप खुद भी काफी सारे नए डेकोरेटिव्ज तैयार कर सकते हैं।

जरूर करें प्लांटिंग

होम डेकोर के लिए भले ही आप कुछ खरीद पाएं या नहीं लेकिन एक काम जो आप बेहद कम खर्च में कर सकते हैं वो है प्लांटिंग। छोटे-बड़े पॉट्स में आप कुछ इंडोर या आउटडोर प्लांट्स लगा सकते हैं। इन्हें लगाने के लिए आप नए घर में जाने का इंतजार न करें।अगर पहले से ही यह काम करके रखेंगे तो वहां जाते ही आपको अपने पास हरा-भरा खूबसूरत नजारा मिलेगा।

पहले ही कर लें फर्निशिंग आइटम्स की शॉपिंग बजट फिक्स कर कुछ फर्निशिंग आइटम्स की शॉपिंग भी आप पहले से कर सकते हैं जैसे बेडशीट्स, कुशन कवर्स, पर्दे आदि । इससे घर को एक दम नया लुक मिलेगा।

हर एरिया नए तरीके से सजाएं

अगर आप नए घर में शिफ्ट कर चुके हैं तो सबसे बड़ा चैलेंज जो आपके सामने होगा वो है सारे सामान को प्रॉपर्ली अरेंज करना। लिविंग रूम से लेकर किचन और बाथरूम तक आपको कोशिश करनी चाहिए कि एरिया को नए तरीकों से सजाएं।

फर्नीचर नए ढंग से रखें

जरूरी नहीं फर्नीचर को पुराने घर की तरह ही नए घर में यूज किया जाए। अगर किसी टेबल या रैक आपके लिविंग रूम का पार्ट थी तो अब आप उसे किचन या डाइनिंग रूम में रख सकते हैं। इसी तरह के एक्सपैरिमैट्स आप चेयर्स और सोफा वगैरह के साथ भी कर सकते हैं।

इस तरह से रखें बर्तनों की चमक बरकरार!

किचन के बरतनों को साफ रखना बहुत ही जरूरी होता हैं। पहले समय में बर्तन धुलना थोड़ा कठिन होता था लेकिन अब नहीं। अब तो डिशवॉश लिक्विड और कई सोप है जिनकी मदद से आप बरतनों को चमका सकते हैं। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिनसे आपके बरतनों की चमक बरकरार रहेंगी।

1. खाना खाने के बाद तुरंत ही पानी से बरतनों को साफ करें और फिर उसे सिंक में रखें। ऐसा करने से बरतनों में जूठन चिपकी नहीं रहती।

2. बरतनों पर साबुन लगाने से पहले उन पर मौजूद खाद्यपदार्थों को साफ कर कूड़े में डाल दें।

3. बरतनों को धोने वाले स्पंज को यूज करने से पहले अच्छी तरह से धोएं। स्पंज में बैक्टीरिया छिपका रहता है इसलिए बेहतर है कि उसे अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। स्पंज को समय-समय पर बदलते रहें।

4. कैमिकल सैनिटाइजर का प्रयोग करें। साधारण साबुन से बरतनों की चिकनाई उतर जाती है लेकिन बैक्टीरिया नहीं मरते।

5. कांच के बरतनों को धोने के लिए गरम पानी का उपयोग करें। इससे उसपर लगी गंदगी आराम से निकल जाती है।

घर के अच्छे व शांत माहौल के लिए अपनाएं ये टिप्स...

घर अंदर से चाहे कितना भी सुंदर सजा हो लेकिन अगर एंबियंस (माहौल) को आपने इग्नोर कर दिया तो घर की साज-सज्जा का पूरा लुत्फ नहीं आएगा।

घर के अच्छे व शांत माहौल के लिए अपनाएं ये टिप्स...

1. सिर्फ घर को साफ-सुथरा रखकर उसे सजाना ही आपका मकसद नहीं होना चाहिए। उसके परिवेश में भी बदलाव करने चाहिए, जैसे यदि आसपास से शोरगुल सुनाई देता है, तो खिड़कियों पर साउंडप्रूफ शीशे लगवाएं।

2. यदि घर के उपकरण आवाज करते हैं, तो उन्हें ठीक करवाएं या फिर उन्हें ऐसी जगह शिफ्ट करें, जहां आवाज ड्रॉइंग रूम, बेडरूम या स्टडी रूम तक न आती हो।

3. घर में ताजा फूल रखें। चाहे तो अपनी पसंद की गंध वाले रूम फ्रेशनर का प्रयोग करें।

4. दीवारों का रंग हल्का रखें ।यदि रंग ज्यादा चटख होगा तो भले ही ये देखने में सुंदर लगे लेकिन ये कभी सुकून नहीं दे सकता।

5. यदि घर छोटा है तो आईने को दीवारों के साथ इस तरह से जुड़वाएं जिससे वे स्पेस का एक्सटेंशन करते नजर आएं।

6. घर में थोड़ी ग्रीनरी को भी स्थान दें। यह नैचुरल हो सकती है या आर्टिफिशियल।

7. किसी एक रूम में स्प्रिच्युलिटी फैलने दें। सुबह के समय पर लाईट म्यूजिक माहौल को सुखद बनाता है।

थोक महंगाई ने लगाई ऊंची छलांग, मार्च में रिकॉर्ड 7.3 फिसदी पर पहुंची

बिजनेस डेस्क।

पेट्रोलियम पदार्थों और खनिजों की कीमतों में भारी वृद्धि होने से मार्च 2021 में थोक मूल्यों पर आधारित थोक मुद्रास्फीति की दर आठ वर्ष के उच्चतम स्तर 7.39 प्रतिशत पर पहुंच गई है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में बताया गया है कि मार्च 2020 में थोक मूल्य थोक मुद्रास्फीति की दर 0.42 प्रतिशत रही थी। फरवरी 2021 में थोक मुद्रास्फीति की दर 4.17 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार थोक मुद्रास्फीति में लगातार तीसरे महीने वृद्धि हुई है। मार्च 2021 में मुद्रास्फीति की दर 8 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है इससे पहले अक्टूबर 2012 में थोक मुद्रास्फीति की दर 7.2 प्रतिशत दर्ज की गयी थी। आंकड़ों के अनुसार मार्च 2021 में कच्चे तेल के दामों में 73.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह पेट्रोल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में 32.15 प्रतिशत की तेजी आई है। खनिज पदार्थों के दाम 10.20 प्रतिशत बढ़े हैं। इसके अलावा रसोई गैस-एलपीजी की कीमत 10.30 प्रतिशत और पेट्रोल की कीमत 18.48 प्रतिशत बढ़ी है। हाई स्पीड डीजल के दामों में 18.27 प्रतिशत की कमी आई है। खाद्य पदार्थों में धान की कीमतें 1.38 प्रतिशत, दाल दलहन 13.14 प्रतिशत, फल 16.33 प्रतिशत, दूध 2.65 प्रतिशत तथा मांस, मछली और अंडा 5. 38 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि मोटे अनाज के दाम 1.38 प्रतिशत, गेहूं 7.80 प्रतिशत , सब्जी 5.19 प्रतिशत, आलू 33.10 प्रतिशत नीचे आए हैं।

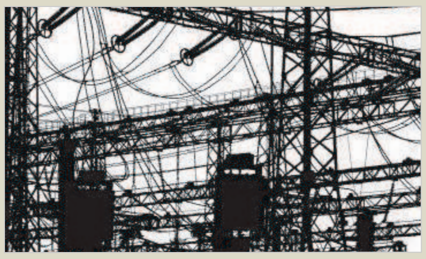

नेपाल के लिए बिहार बनाएगा विद्युत संचरण लाइन

पटना। बिहार नेपाल में बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दो नए विद्युत संचरण लाइनों का निर्माण करवाएगी। इसके लिए विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने भी अपनी सहमति दे दी है। बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि नेपाल को बेहतर विद्युत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य की संचरण कंपनी बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा दो नए विद्युत संचरण लाईनों के निर्माण की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि 3 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से 132 केवी कटैया-कुसहा तथा 24 करोड़ 55 लाख की लागत से 132 केवी रक्सौल - परवानीपुर संचरण लाईनों के निर्माण के लिए नेपाल के अनुरोध पर बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा परियोजना कार्यान्वयन की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा भी सहमति प्रदान की गई है। यादव ने बताया कि बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कम्पनी लिमिटेड पिछले वर्षों विद्युत संचरण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें विद्युत संचरण के नये आधारभूत संरचनाओं का निर्माण उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, नेपाल द्वारा बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कम्पनी लिमिटेड को इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के निर्माण के लिए अनुरोध किया जाना कंपनी के कार्यों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता की पुष्टि करता है। उल्लेखनीय है कि बिहार राज्य द्वारा नेपाल को वर्तमान में कुल 441 मेगावाट तक बिजली की आपूर्ति की जाती है, जिसके निर्बाध एवं गुणवतापूर्ण संचरण में बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका है।

यूके को रियायती शुल्क पर 3675 टन और चीनी निर्यात करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत रियायती निर्यात शुल्क पर 3,675 टन और चीनी यूनाइटेड किंगडम को निर्यात करेगा। केंद्र सरकार ने यूके को टैरिफ रेट कोटा यानी टीआरक्यू के तहत 3,675 टन अतिरिक्त कच्ची या सफेद चीनी का निर्यात करने की अनुमति दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने मंगलवार को जारी एक पब्लिक नोटिस में कहा कि टीआरक्यू के तहत यूके को 3,675.13 टन अतिरिक्त रॉ/रिफाइंड चीनी इस साल 30 सितंबर तक निर्यात करने की अधिसूचना जारी की जाती है। डीजीएफटी द्वारा पिछले साल 21 जुलाई 2020 को 10,000 टन चीनी का ईयू सीएक्सएल शुगर कोटा 2020-21 के लिए जारी किया गया था। यूके के लिए जारी हालिया कोटा उसके अतिरिक्त होगा। डीजीएफटी ने कहा कि निर्यात के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के तौर पर कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण यानी एपीडा द्वारा इस कोटे का संचालन किया जाएगा।

फोसिस को 5074 करोड़ का प्रॉफिट

मुंबई। हायरिंग के मामले में इस साल आईटी सेक्टर तेज दौड़ लगा रहा है। दिग्गज कंपनी टीसीएम के बाद अब इंफोसिस ने इस फाइनेंशियल ईयर (2021-22) में बड़ी संख्या में नई नौकरियां देने का ऐलान किया है। अच्छे तिमाही नतीजे पेश करने के बाद इंफोसिस ने 26 हजार फ्रेशर्स को नौकरी देने की बात कही है। नतीजों की बात करें तो कंपनी को जनवरी से मार्च के दौरान 5,074 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ है। यह तीसरी तिमाही में 5,193 करोड़ रुपए था। इंफोसिस के बोर्ड ने 9200 करोड़ रुपए का शेयर बायबैक का प्रस्ताव भी मंजूर कर दिया है। बायबैक में एक शेयर की कीमत 1750 रुपए तय की गई है। कंपनी का रेवेन्यू भी 26,311 करोड़ रुपए रहा। बायबैक की संभावना को देखते हुए सोमवार को इंफोसिस का शेयर 3त्न चढ़कर 1,480 पर पहुंच गया था, जो छह साल का सबसे ऊंचा स्तर है। 2021 में इंफोसिस का शेयर अब तक 11त्न चढ़ा है, जबकि निफ्टी इंडेक्स 6.6 फीसदी ही बढ़ा है।

अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार घटने से कीमतों में 4 फीसदी का उछाल

मुंबई। अमेरिका में कच्चे तेल के भंडार में बीते सप्ताह आई गिरावट से तेल की कीमतों में बुधवार को जोदार तेजी आई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेंचमार्क कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड का भाव चार फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 66 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी कच्चे तेल में चार फीसदी से ज्यादा का उछाल आया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कच्चे तेल के चालू महीने अप्रैल अनुबंध में बीते सत्र से 196 रुपये यानी 4.33 फीसदी की तेजी के साथ 4,724 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर ब्रेंट क्रूड के जून डिलीवरी अनुबंध में बुधवार को बीते सत्र से 4.08 फीसदी की तेजी के साथ 66.27 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। जबकि न्यूयॉर्क मर्के टाइल एक्सचेंज (नायमैक्स) पर डब्ल्यूटीआई के मई डिलीवरी अनुबंध में बीते सत्र से 4.37 फीसदी की तेजी के साथ 62.81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। अमेरिका में एनर्जी इन्फोरमेशन एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के अनुसार, नौ अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में कच्चे तेल के भंडार में 59 लाख बैरल की कमी आई।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए घरेलू चार्जिंग तकनीक को बढ़ावा देने में जुटा दक्षिण कोरिया

सोल। दक्षिण कोरिया ने गुरुवार को कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय मानक के तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए एक घरेलू चार्जिंग तकनीक को बढ़ावा देने के प्रयासों को गति देगा, क्योंकि देश की योजना इस बढ़ते क्षेत्र में गहराई से प्रवेश करने की है। व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, प्रौद्योगिकी एवं मानक मामलों की कोरियाई एजेंसी ने 50 किलोवाट की क्षमता के साथ ईवी के लिए वायरलेस चार्जिंग प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए देश-विदेश के विशेषज्ञों के साथ एक वर्चुअल मीटिंग की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया ने पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन को वैश्विक मानक के रूप में प्रौद्योगिकी का प्रस्ताव दिया था। प्रौद्योगिकी ईवी को एक घंटे के भीतर अपनी क्षमता के 80 प्रतिशत तक चार्ज करने की अनुमति देगी। एजेंसी ने कहा कि दक्षिण कोरिया द्वारा प्रस्तावित प्रौद्योगिकी जापान की सुझाई गई क्षमता की तुलना में अधिक क्षमता रखती है, जिसकी चार्जिंग क्षमता 11 किलोवाट है। प्रौद्योगिकी को पहले अन्य वाहनों के बजाय उन बसों पर लागू करने की उम्मीद है, जो निश्चित मार्गों पर चलती हैं। एजेंसी का मानना है कि एक बार इसके व्यवसायीकरण शुरू होने के बाद ईवी के लिए मजबूत मांग बढ़ सकती है। मून जे-इन प्रशासन अपनी हरित ऊर्जा नीति के साथ ईवी के लिए उद्योग को बढ़ावा देने पर जोर दे रहा है। दक्षिण कोरिया की योजना है कि इको-फ्रेंडली कारें, जिनमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल कारें भी शामिल हैं, 2030 तक देश में पंजीकृत कुल ऑटोमोबाइल का 30 प्रतिशत हिस्सा बन जाए, जो वर्तमान 3 प्रतिशत की तुलना में एक बड़ी बढ़ोतरी होगी।

अमेज़न ने आत्मनिर्भर भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी

बेंगलुरु।

अमेज़न इंडिया ने अपने प्रमुख इवेन्ट, सम्भव, के शुरुआती सत्र मेंआज एसएमबीडिजिटलीकरण, कृषि और हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजीइनोवेशन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्टार्टअप्स और एंट्रेप्रेन्योर्स में निवेश करने के लिए 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अमेज़न सम्भव वेंचर फंड की घोषणा की। वेंचर फंड टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप्स में निवेश करेगा जो डिजिटल इंडिया की संभावनाओं को साकार करने के लिए उत्सुक एवं संवेदनशील हैं। वेंचर फंड विशेष रूप से एसएमबी (लघु और मध्यम बिजनेस) को डिजिटाइज़ करने के लिए सर्वोत्तम विचारों को प्रोत्साहित करने, किसानों की उत्पादकता में सुधार करने के लिए कृषि में इनोवेशन करने और उन्हें उपभोक्ताओं के लिए भारत के खेतों से सर्वश्रेष्ठ उत्पादन करने और सभी टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए सार्वभौमिक और गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर तक उनकी पहुंच बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

इसके अलावा, अमेज़न ने लोकल शॉप्स ऑन अमेज़न प्रोग्राम के माध्यम से 2025 तक अमेज़न इंडिया मार्केटप्लेस पर 1 मिलियन ऑफलाइन रिटेलसेलर्स और नेबरहुड स्टोर्स को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और उनको ऑनलाइन लाने की योजना की घोषणा की। इसी इवेंट में, अमेज़न ने 2025 तक भारत के नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र के 8 राज्यों से 50,000 कारीगरों, बुनकरों और छोटे व्यवसायों को ऑनलाइन लाने और उस क्षेत्र से चाय, मसाले, शहदजैसे प्रमुख वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए%स्पॉटलाइट नॉर्थ ईस्ट% पहल की भी शुरुआत की। इन नई पहलों की घोषणा एडब्ल्यूएस सीईओ और अमेज़न के आगामी सीईओ, एंडी जेसी, और अमेज़न इंडिया के ग्लोबल सीनियर वीपी और कंट्री हेड, अमित अग्रवाल के बीच अमेज़न सम्भव में एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान की गई, जहाँ उन्होंने भारत के लिएअनंत संभावनाओं को साकार करने के प्रति अमेज़न की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराया।

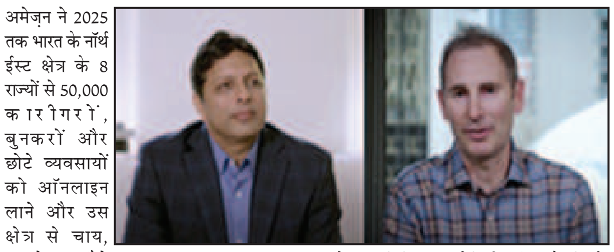

सम्भव2021 में अपने विचार रखते हुए, अमित अग्रवाल, ग्लोबल सीनियर वीपी और कंट्री हेड, अमेज़न इंडिया ने कहा कि "2020 में, हमने 2025 तक 10मिलियनएसएमबीको डिजिटाइज़ करने, 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को सक्षम करने और 1 मिलियननौकरियां पैदा करने की प्रतिज्ञा की थी। अपनी पहल के माध्यम से, हम डिजिटल इंडिया के लिए संभावनाओं को साकार करने में उत्प्रेरक औरपार्टनर बनने, और माननीय पीएम द्वारा वयक्त किये गये आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेज़न सम्भव वेंचर फंड के लॉन्च का लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ विचारों को सामने लाना और देश के एंट्रेप्रेन्योर्स को इस दृष्टिकोण में भागीदार बनाना है। इसके अलावा, Amazon.in पर 1मिलियनऑफ़लाइन शॉप्स को शामिल करने और नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की पहल से डिजिटल और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में तेजी आएगी।"

भारत में मई से शुरू होगा स्पुतनिक-V वैक्सीन का आयात

नई दिल्ली

कोरोना वायरस के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच भारत में हाल ही में तीसरी वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की भी मंजूरी दे दी गई। इससे जुड़े लोगों के अनुसार रूसी निर्मित कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक वी के अगले महीने से भारत में आयात होने की संभावना है। जहां तक भारत में इसके निर्माण की बात है तो इसमें फिलहाल जून या जुलाई तक का समय लग सकता है। रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) के सीईओ किरिल दिमित्री ने कहा कि भारत में वैक्सीन निर्माण के लिए विभिन्न स्थानीय टाई-अप के माध्यम से जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में शुरू हो सकता है। डॉ. रेड्डीज लैब्स, जिसके पास वैक्सीन वितरण करने का लाइसेंस है, ने मंगलवार को आपातकालीन स्थिति में प्रतिबंधित उपयोग के तहत वैक्सीन के आयात के लिए भारत के ड्रग्स कंट्रोलर की स्वीकृति प्राप्त की। डॉ. रेड्डीज लैब्स के साथ साझेदारी के अलावा, जो स्थानीय रूप से स्पुतनिक वी क्लिनिकल परीक्षण कर रही है और जिसके पास रूसी टीके के वितरण अधिकार है यानी आरडीआईएफ ने उत्पादन के लिए पांच अन्य स्थानीय कंपनियों के साथ बात की है। वे कंपनियां हैं÷ स्टेलिस बायोफार्मा, ग्लैंड फार्मा, हेटेरो बायोफार्मा, पैनेशिया बायोटेक और विरचो बायोटेक। भारत अगले कुछ महीनों में स्पुतनिक वी की कम से कम पांच करोड़ खुराक का उत्पादन करेगा। किरिल दिमित्री ने कहा, ÷हम इस गर्मी में या गर्मियों के अंत तक भारत में स्पुतनिक वी के पांच करोड़ खुराक का उत्पादन देख रहे हैं। भारत के पास एक महत्वपूर्ण उत्पादन क्षमता है। हमने पहले ही स्पुतनिक वी के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए पांच स्थानीय कंपनियों के साथ टाई-अप की घोषणा की है।हम कई और टाई-अप करने का इरादा रखते हैं जिसकी घोषणा जल्द ही करेंगे।उन्होंने कहा, ÷भारत में स्पुतनिक वी के परीक्षण ने उच्च स्तर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया दिखाई है। न केवल रूस में, बल्कि अर्जेंटीना, मैक्सिको और अन्य देशों में भी जहां टीका का उपयोग किया जा रहा है, वहां भी हमें यही परिणाम मिले हैं। स्पुतनिक वी उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करता है। स्पुतनिक 90 से अधिक प्रभावी है।

इंसानों से ज्यादा कंप्यूटर पर भरोसा करते हैं लोग : स्टडी

न्यूयॉर्क। दैनिक जीवन में एल्गोरिदम की दखल पर बढ़ती चिंता के बावजूद, एक नए शोध से पता चलता है कि लोग मनुष्यों की तुलना में एल्गोरिदम पर भरोसा करने की अधिक संभावना रखते हैं, खासकर अगर कोई कार्य बहुत चुनौतीपूर्ण हो। अपनी प्लेलिस्ट पर अगला गीत चुनने से लेकर सही आकार की पैंट चुनने तक, लोग रोजमर्रा के निर्णय लेने में मदद करने और अपने जीवन को सुव्यवस्थित करने के लिए एल्गोरिदम की सलाह पर अधिक भरोसा कर रहे हैं। जॉर्जिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एरिक बोगर्ट ने कहा, एल्गोरिदम बड़ी संख्या में कार्य करने में सक्षम हैं और वह जो कार्य करने में सक्षम है, उसमें हर दिन व्यावहारिक रूप से विस्तार भी हो रहा है। बोगर्ट ने यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम पर अधिक से अधिक झुकाव के लिए एक पूर्वाग्रह भी है। जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित अध्ययन के लिए टीम में 1,500 व्यक्ति शामिल रहे और लोगों को एक तस्वीर का मूल्यांकन करने को कहा गया। टीम ने स्वयंसेवकों को भीड़ की एक तस्वीर में लोगों की संख्या गिनने के लिए कहा और इसके साथ ही अन्य लोगों के समूह द्वारा तैयार किए गए सुझावों और एल्गोरिदम द्वारा उत्पन्न सुझावों को प्रदर्शित करने को कहा। शोधकर्ता ने कहा कि जैसे ही फोटोग्राफ में लोगों की संख्या का विस्तार हुआ और इनकी गिनती अधिक कठिन हो गई तो लोगों ने खुद से गिनने के बजाय एक एल्गोरिथम की ओर से उत्पन्न सुझाव का पालन करने को तवज्जो दी। शोधकर्ता के अनुसार, परीक्षण कार्य के रूप में मतगणना का विकल्प काफी महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि फोटो में लोगों की संख्या बढ़ने पर यह कार्य निष्पक्ष रूप से कठिन हो जाता है।

दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए टिक-टॉक के फाउंडर झांग इमिंग

नई दिल्ली :

पिछले एक साल के दौरान टिक-टॉक को दुनिया भर में डेटा सिक्योरिटी को आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है। भारत जैसे देश में जहां यह एप तेजी से विस्तार से ले रहा था वहां इसे प्रतिबंधित कर दिया गया। लेकिन एक बार फिर टिक-टॉक पैरेंट कंपनी बाइट डांस लिमिटेड के फाउंडर की किस्मत बहुत तेजी से बदली है। झांग इमिंग जोकि टॉक पैरेंट कंपनी बाइट डांस लिमिटेड के संस्थापक हैं हाल ही कमाए मुनाफे की वजह से उनकी गिनती दुनिया के अरबपतियों में हो रही है। ब्लूमबर्ग बिलियेनेयर्स इंडेक्स के अनुसार झांग इमिंग की संपत्ति 60 अरब डॉलर के आस-पास की है। बाजार के अनुसार झाम इमिंग की बाइट डांस लिमिटेड मार्केट कैप 250 बिलियन डॉलर के आसपास की है। झाम इमिंग इस कंपनी के एक चौथाई के मालिक हैं। बाइटडांस की बाजार में पहचान शॉर्ट वीडियो एप्स, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन गेमिंग जैसे बिजनेस के कारण है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के मुनाफे में एडवरटाइजिंग से दोगुना बढ़ गया है। जो दर्शाता की कंपनी की पहुंच लोगों तक बहुत तेजी से बढ़ी है। सिनैप्टिक वेंचर्स के पार्टनर मा रुई कहते हैं, 'झांग एक ऐसा बिजनेस मैन है जो हमेशा दूर की सोचता है। वह छोटी-छोटी असफलताओं से डरता नहीं है। बाइटडांस कंपनी की कीमतों में पिछले कुछ सालों में बहुत तेजी से उछाल आया है। तीन साल पहले कंपनी की कीमत महज 20 बिलियन डॉलर, पिछ्ले साल कंपनी की मार्केट कैप 250 बिलियन डॉलर थी।

गूगल असिस्टेंट की मदद से अब खोए हुए आईफोन को ढूंढ़ने में मिलेगी मदद

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल की तरफ से गूगल असिस्टेंट को एक ऐसे फीचर के साथ पेश किए जाने की बात कही गई है, जिसकी मदद से आईफोन यूजर्स अपने खोए हुए आईफोन का पता लगा पाने में सक्षम हो सकेंगे। एंड्रॉयड यूजर्स काफी लंबे समय से इस फीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं। मैकरूमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें एप्पल के ओन फाइंड माय सिस्टम के जैसे ही विशेषताएं होंगी, जिसे आईफोन के लिए पेश किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया, इस फीचर का लाभ केवल वे ही यूजर्स उठा पाएंगे, जिनके पास आईओएस के लिए गूगल असिस्टेंट समर्थित स्मार्ट स्पीकर और गूगल होम ऐप होगा। तभी ये अपने खोए हुए डिवाइसों का पता लगा पाएंगे। गूगल स्मार्ट होम डिवाइसों की मदद से जब पूछा जाएगा कि हे गूगल, फाइंड माय फोन, तभी इसे अलर्ट जाएगा। इसके बाद गूगल होम ऐप आईफोन पर एक आईओएस क्रिटिकल अलर्ट भेजेगा। एप्पल में स्पेशल नोटिफिकेशंस के रूप में भेजे गए इस अलर्ट को इस्तेमाल किए जाने की क्षमता होगा, जिसे साइलेंस मोड या डू नॉट डिस्टर्ब के माध्यम से ब्रेक किया जा सकेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह यूजर तक पहुंच गया है। क्रिटिकल अलर्ट वाले ऐप्स के लिए एप्पल से विशेष मंजूरी लेने की जरूरत पड़ेगी और लगता है कि गूगल ने इस अप्रूवल को प्राप्त कर लिया है।

अमेरिका में एक अन्य बैटरी प्लांट बनाने के लिए एलजी-जीएम ने मिलाया हाथ

सोल।

बैटरी बनाने वाली दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड और अमेरिकी वाहन निर्माण कंपनी जनरल मोटर्स दोनों मिलकर टेनेसी में एक दूसरी बैटरी बनाने वाली फैक्ट्री का निर्माण करेंगे ताकि उत्पादन को और बढ़ाया जा सके। इंडस्ट्री के सूत्रों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। इस मसले से परिचित सूत्रों ने बताया है कि एलजी और जीएम ने मिलकर अपने दूसरे इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) प्लांट के लिए टेनेसी में एक साइट को चुना है, जो कि ओहाइयो में बने इसके करीब 230 करोड़ डॉलर के प्लांट के समान है। इस फैक्ट्री के लिए दोनों कंपनियों ने शुक्रवार को निवेश करने की घोषणा की। एलजी केम के पूर्ण स्वामित्व वाली एलजी एनर्जी सॉल्यूशन ने पिछले महीने कहा था कि अमेरिका में बैटरी उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए उनकी योजना साल 2025 तक 5 लाख करोड़ वॉन निवेश करने की है, जिसमें कम से कम दो नए प्लांट्स को बनाए जाने की योजना भी शामिल है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मिशिगन में बनी फैक्ट्री में एलजी एनर्जी सॉल्यूशन द्वारा लिथियम आयन बैटरी का निर्माण किया जाता है और जीएम के साथ मिलकर कंपनी द्वारा ओहाइयो में एक नई फैक्ट्री पर भी काम चल रहा है, जो साल 2022 में बनकर तैयार होगी। ईवी बैटरी तकनीक पर व्यापार संबंधी दो साल लंबे एक गुप्त समझौते के तहत हाल ही में हुई सुलह के बाद एलजी ने अमेरिका में ईवी बैटरी के अपने बिजनेस को बढ़ाने का संकल्प लिया है।

जापानी कंपनी एआईडब्ल्यूए ने 5 ऑडियो उत्पादों के साथ भारतीय बाजार में रखा कदम

नई दिल्ली। जापानी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड एआईडब्ल्यूए ने गुरुवार को ऑडियो रेंज में लॉन्च किए गए पांच उत्पादों के साथ भारत में प्रवेश की घोषणा की। 699 रुपये से 7,999 रुपये के बीच पेश किए जाने वाले उत्पाद अगले सप्ताह से अमेजन और 500 से अधिक रिलायंस डिजिटल, जियो स्टोर्स (प्लस रिलायंस डिजिटल डॉट इन) पर उपलब्ध होंगे। एआईडब्ल्यूए इंडिया के प्रबंध निदेशक अजय मेहता ने आईएएनएस को बताया, भारत वैश्विक रोडमैप पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में से एक है और शोध रिपोर्टें से पता चलता है कि भारतीयों का व्यक्तिगत ऑडियो उत्पादों के प्रति बहुत झुकाव है। मेहता ने कहा, एआईडब्ल्यूए पर हमारा उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं को विभिन्न उन्नत जनसांख्यिकी और मूल्य कोष्ठक (प्राइस ब्रेकेट) में सभी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले इनोवेटिव, उन्नत सुविधाओं के साथ उत्पादों के विस्तृत विकल्प प्रदान करना है। 7,999 रुपये में मिलने वाला एआईडब्ल्यूए एटी-80एक्सएफएएनसी ट्रू वायरलेस एक्टिव नॉयज कैंसिलेशन ईयरफोन शानदार ऑडियो अनुभव प्रदान करता है। 10 मीटर की ट्रांसमिशन रेंज के साथ ब्लूटूथ 5.0 द्वारा समर्थित, टीडब्ल्यूएस की यह जोड़ी 23-25 डीबी तक इंटेलिजेंट वॉयस में कमी प्रदान करती है। इयरफोन चार्जिंग केस (एएनसी ऑन के साथ) के साथ सीमलेस ऑटोमेटिक पेयरिंग के अलावा 16 घंटे तक प्लेबैक टाइम भी प्रदान करता है।

वहीं 2,999 रुपये की कीमत वाला एआईडब्ल्यूए ईएसबीटी 460 क्वाड ड्राइवर नेकबैंड एक माइक्रोएसडी स्लॉट के साथ आता है, जिससे आप अपने पसंदीदा संगीत को परेशानी से मुक्त होकर सुन सकते हैं। इयरफोन सिर्फ 2 घंटे के चार्ज के साथ 15 घंटे का प्लेबैक टाइम और 180 घंटे का स्टैंडबाय टाइम प्रदान करता है, जो कि इसकी सुपर बड़ी बैटरी लाइफ का प्रमाण है। अन्य उत्पाद एआईडब्ल्यूए ईएसटीएम-101 वायर्ड प्रीमियम स्टीरियो इन-इयरफोन, एआईडब्ल्यूए ईएसबीटी 401 अल्ट्रालाइट नेकबैंड वायरलेस इन-इयरफोन और एआईडब्ल्यूए एटी-एक्स80ई ट्रू वायरलेस स्टीरियो इयरफोन क्रमश÷ 1,999 रुपये, 1,499 रुपये और 699 रुपये में उपलब्ध होंगे।

मैक्सवेल की पारी अलग थी : कोहली

चेन्नई। रॉयल चेलेंजर बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत के बाद कहा कि टीम के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की पारी अलग थी। मैक्सवेल ने हैदराबाद के खिलाफ 41 गेंदों पर 59 रन बनाए थे, जिसकी मदद से बेंगलोर की टीम 149 रन का लड़ने लायक स्कोर खड़ा कर सकी थी। मैक्सवेल का पिछले तीन सीजन में यह पहला अर्धशतक था। कोहली ने कहा, मेरे ख्याल से हमारे लिए मैक्सवेल की पारी अलग थी। मैक्सवेल ने हमें लय प्रदान की और स्कोर 150 के करीब पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद ने जब अच्छी शूरूआत की तो उन्हें चिंता हो गई थी। हैदराबाद ने 16 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बना लिए थे लेकिन अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा। कोहली ने कहा, पिच इतनी बेहतर कभी नहीं थी और इस मैच में दबाव में हमारी कोशिश सही रही। पुराने गेंद से पिच चुनौतीपूर्ण हो गई थी। मुझे भरोसा था कि हम यह मुकाबला जीत सकते हैं।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप : सरिता मोर फाइनल में, सीमा और पूजा भिड़ेंगी कांस्य के लिए

अलमाटी :

मौजूदा खिताबधारी सरिता मोर ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप ने शुरूआती दौर के मुकाबले में करीबी हार के बाद शानदार वापसी करते हुए 59 किग्रा फाइनल में प्रवेश किया जबकि सीमा बिस्ला (50 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) अपने सेमीफाइनल हारने के बाद कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगी। नई दिल्ली में 2020 चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सरिता शुरूआती मुकाबले में मंगोलिया की शूवदोर बातरजाव से 4-5 के अंतर से हार गई थीं लेकिन उन्होंने अगले दौर में कजाखस्तान की डायना कायुमोवा के खिलाफ शानदार वापसी की और पहले पीरियड में तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। सरिता कजाखस्तान की पहलवान के खिलाफ काफी आक्रामक रहीं और उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को गिराने के बाद उसका गला जकड़ लिया। इसके बाद उन्होंने किर्गिस्तान की नूरेडा अनारकुलोवा के खिलाफ सेमीफाइनल में भी शुरू से ही आक्रामकता जारी रखी और फाइनल में जगह बनाई। अब उनके पास शूवदोर से बदला चुकता करने का मौका होगा क्योंकि वह भी फाइनल में पहुंच गई हैं। वहीं, 50 किग्रा की स्पर्धा में सीमा की शुरूआत काफी खराब रही जिसमें वह कजाखस्तान की वेलेंटिना इवानोवना के खिलाफ शुरूआती मुकाबला गंवा बैठीं लेकिन उन्होंने भी अगले दौर में मंगोलिया की एनुदारी नंदिंतसेतसेग के खिलाफ शानदार वापसी की और 7-3 से जीत दर्ज की। उन्हें सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की जैस्मिना इमाएवा से कड़ी चुनौती मिली जिसे वह 2-3 से हार गईं। अब उन्हें कांस्य पदक जीतने के लिए ताइपे की यंग सुन लिन को हराना होगा। वहीं, 76 किग्रा वजन वर्ग में पूजा ने कोरिया की सियोयिओन जियोंग के खिलाफ 2-0 की जीत से शुरूआत की और इसके बाद उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओजोडा जारीपबोएवा को भी हरा दिया। हालांकि सेमीफाइनल में वह कजाखस्तान की एलमिरा सिजडिकोवा की बराबरी नहीं कर सकीं और हार गयी। निशा को 68 किग्रा वर्ग के दोनों शुरूआती मुकाबलों में हार से बाहर होना पड़ा। वह कोरिया की युन सुन जियोंग से हारने के बाद मंगोलिया की डेलगेरमा एंखसाईखान से पराजित हो गयीं।

विजडन अलमैनाक के दशक के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ी चुने गए कोहली

नई दिल्ली।

भारतीय कप्तान विराट कोहली को विजडन अलमैनाक 2010 दशक का सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर चुना गया है। कोहली उन पांच क्रिकेटरों में शूमार हो गए हैं जिन्हें 1971 से 2021 के दशक तक वनडे खिलाड़ी चुना गया है। कोहली 2011 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे। कोहली ने 10 वर्षों में 60 के ज्यादा के औसत से 11,000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 42 शतक जड़े हैं। श्रीलंका के पूर्व स्पिन गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन 2000 के दशक में वनडे क्रिकेटर चुने गए थे। उन्होंने श्रीलंका को 2011 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में मदद की थी और उस दशक में 335 विकेट लिए थे। भारत के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और कपिल देव को क्रमशः 1990 और 1980 में दशक का सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर चुना गया था। सचिन ने 1998 में नौ वनडे शतक जड़े थे जो उस केलेंडर वर्ष में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया सबसे ज्यादा शतक था। कपिल ने 1980 में किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा विकेट लिए थे और सर्वाधिक स्ट्राइक रेट के साथ 1000 से ज्यादा रन बनाए थे। कपिल ने अपनी कप्तानी में भारत को पहली बार विश्व कप चैंपियन बनाया था। इनके अलावा वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्डस को 1970 के दशक का वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था।

टेनिस : जोकोविच मोंटे कार्लो के तीसरे दौर में पहुंचे

लंदन। टॉप सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जानिक सिनर को लगातार सेटों में हराकर मोंटे कार्लो टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। डीपीए रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के नंबर-1 जोकोविच का ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद यह पहला टूर्नामेंट है। जोकोविच ने सिनर को 6-4, 6-2 से हराया। जोकोविच इस टूर्नामेंट का खिताब तीसरी बार जीतने की कोशिश में हैं। जोकोविच का अगले दौर में सामना डान एवान्स से होगा, जिन्होंने मियामी ओपन चैंपियन 13वीं सीड हुबर्ट हुरकाज को 6-4, 6-1 से हराया। तीसरी सीड स्पेन के राफेल नडाल ने क्वालीफायर फेडेरिको देलबोनिस को 6-1, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। इस बीच, गत विजेता इटली के फाबियो फोगनिनी ने ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को 6-3, 6-3 से हराया।

यूथ मुक्केबाजी

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन पर भारी पड़े भारत के विकास

नई दिल्ली।

पोलैंड मे जारी एआईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए, विकास ने यूरोपीय युवा चैंपियन यासेन राडदेव के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की । मुकाबले के दूसरे दिन पांच भारतीय मुक्केबाजों ने उल्लेखनीय जीत दर्ज की। पुरुषों के 52 किग्रा वर्ग में खेलते हुए, विकास ने सावधानी शुरूआत की लेकिन जल्द ही आक्रामक इरादे के साथ सामने आने लगे।

हाल ही में एड्रियाटिक पर्ल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी ने नेराडेव न्को कोई मौका नहीं दिया और इस बुल्गेरियाई के खिलाफ 5-0 से आराम से जीत दर्जकी। विकास अब मंगोलिया के सुखबत एनखोरीगेट के खिलाफ दूसरे के मुकाबले में भिड़ेंगे। एशियाई युवा चैंपियन विंका (60 किग्रा) और पूनम (57 किग्रा) ने भी अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत हासिल की। विंका ने बोस्निया और हरजेगोविना की तारा बोहतजुक और पूनम ने हंगरी की बीट वरगा को हराया। भारतीयों द्वारा अपने विरोधियों के खिलाफ कई शक्तिशाली वार करने के बाद रेफरी को प्रतियोगिता रोकनी पड़ी और उन्हें आरएससी के फैसले के साथ विजेता घोषित किया गया। अंतिम -8 चरण में प्रवेश के साथ, विंका और पूनम अब भारत के पदकों को हासिल करने से केवल एक मुकाबला दूर हैं।

एक्शन में अन्य भारतीयों, अंकित नरवाल और विशाल गुप्ता ने भी अपने अभियान की शानदार शुरूआत की और भारत की जीत को सुनिश्चित करने के लिए आरामदायक जीत का जश्न मनाया। एशियाई युवा चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अंकित (64 किग्रा) और विशाल (91 किग्रा) क्रमशः स्लोवाकिया के मिरोस्लाव हर्सेग और बुल्गारिया के जॉर्जी स्टोव के खिलाफ 5-0 से आसान गोल जीत के साथ उन्नत हुए।

संक्षिप्त समाचार

तैराकी : नटराज ओलंपिक ए क्वालीफिकेशन मार्क के करीब पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के तैराक श्रहरि नटराज ने ताशकंद में चल रहे उज्बेकिस्तान ओपन समर स्विमिंग चैंपियनशिप के पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक के शुरूआती राउंड में 54.10 सेकेंड का समय लिया और वह ओलंपिक ए क्वालीफिकेशन समय 53.85 सेकेंड के करीब पहुंचे। 19 वर्षीय नटराज का निजी सर्वश्रेष्ठ 54.69 सेकेंड का है जो बी क्वालीफिकेश मार्क है। उन्होंने यह समय बुदापेस्ट में 2019 में हुए वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में हासिल किया था। नटराज अगर पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक वर्ग के फाइनल में ओलंपिक ए क्वालीफिकेशन मार्क हासिल कर लेते हैं तो वह भारत के पहले तैराक होंगे जो यह उपलब्धि हासिल करेगा। साजन प्रकाश सहित कुछ छह भारतीय तैराकों ने 2019 में बी क्वालीफिकेशन हासिल किया था लेकिन इससे ओलंपिक में क्वालीफाई करने की गारंटी नहीं है। 2020 का सीजन कोरोना महामारी के कारण बाधित रहा था। इस साल सभी छह तैराक अपने-अपने वर्ग में ए क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ब्रावो और करन चेन्नई टीम के सबसे फैशनेबल खिलाड़ी हैं : चाहर

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर का कहना है कि ड्वेन ब्रावो और करन शर्मा टीम के सबसे फैशनेबल खिलाड़ी हैं। 28 वर्षीय चाहर ने कहा, महंगे कपड़े पहनने से कुछ नहीं होता यह जरूरी है कि आपके ऊपर क्या अच्छा लग रहा है। यह सस्ता हो सकता है लेकिन आपके ऊपर अच्छा दिखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं महंगे कपड़े नहीं पहनता। मैं सिर्फ वही पहनता हूं जो मेरे ऊपर अच्छा लगता है। चाहर ने ब्रावो और करन को टीम का सबसे फैशनेबल खिलाड़ी बताते हुए कहा कि इन्हें फैंसी कपड़े पहनना बहुत पसंद है। यह पूछे जाने पर कि उनका उपनाम चेरी कैसे पड़ा, इस पर चाहर ने कहा, इसके पीछे लंबी कहानी है। जब मैंने प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया था तो मेरी उम्र साढ़े 17 साल थी। टीम में सभी मेरे से सीनियर थे। जब कोई गेंदबाज का चियर करता है तो उसका नाम लेता है। मेरे मामले में यह काफी लंबा पड़ा रहा था। उन्होंने कहा, हमारी टीम में रोहित जलानी नाम का विकेटकीपर हुआ करते थे उन्होंने मुझे चेरी बुलाया क्योंकि यह नाम लेने में आसान था। इसके बाद सभी इसी नाम से बुलाने लगे। चाहर ने कहा कि जब मैंने क्रिकेट खेलने का फैसला किया वो मेरी बचपन की सबसे अच्छी याद है।

एएफसी चैंपियंस लीग : गोवा ने अल रयान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेल

मारगाओ (गोवा)।

एफसी गोवा ने यहां फतोर्दा स्टेडियम में खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग के ग्रुप ई मुकाबले में अल रयान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। शुरुआत में अल रयान ने गोल करने के मौके भुनाए, लेकिन गोवा ने गोल होने से रोक दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने बढ़त लेने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। पहला हॉफ खत्म होने से कुछ देर पहले गोवा ने भी गोल करने का मौका बनाया, लेकिन अल रयान ने इस कोशिश को सफल नहीं होने दिया। पहले हॉफ के खत्म होने तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला गोल रहित रहा। दूसरे हॉफ में एक बार फिर दोनों टीमों ने अपना दमखम दिखाया और बढ़त लेने की पुरजोर कोशिश की।

अंतिम 10 मिनट में इवान गोंजालेज की टीम ने बढ़त हासिल करने की कई प्रयास किए। 86वें मिनट में धीरज ने मौका भुनाया, लेकिन यह प्रयास भी असफल रहा। दोनों टीमों ने अंतिम मिनट तक गोल करने के प्रयास किए लेकिन निर्धारित समय तक गोवा और अल रयान की टीम गोल नहीं कर सकी और मुकाबला गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

बेंगलोर के खिलाफ मिली हार के बाद वार्नर ने बल्लेबाजों को निशाने पर लिया

चेन्नई।

रॉयल चेलेंजर बेंगलोर के खिलाफ मिली हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने टीम के बल्लेबाजों को साझेदारी नहीं बनाने पर निशाने पर लिया है। हैदराबाद को बेंगलोर के खिलाफ करीबी मुकाबले में बुधवार को छह रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वार्नर ने कहा, हमें अंत में दो सेट बल्लेबाजों की जरूरत थी लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके। हमें साझेदारी बनाकर सही शॉट्स खेलने थे। उन्होंने कहा, यह देखना निराशाजनक है कि शाहबाज अहमद जैसे लेफ्ट ऑर्म स्पिनर के खिलाफ बल्लेबाजों ने क्रॉस बैट शॉट्स खेले। वार्नर ने मैच में 37 गेंदों पर 54 रन बनाए थे और टीम को जीत की राह पर पहुंचाया था लेकिन अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा। हैदराबाद की टीम के हाथ से 17वें ओवर में मैच उस वक्त निकल गया जब शाहबाज की गेंद पर जॉनी बेयरस्टो, मनीष पांडे और अब्दुल समद बड़ा शॉट मारने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। वार्नर ने कहा, हमें पता है कि आने वाले मैचों में हमें किस तरह वापसी करनी है। यहां अभी तीन मैच और बाकी है और मुझे उम्मीद है कि पिच अच्छी होगी।

चैम्पियंस लीग : सिटी ने डॉर्टमंड को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचा

डॉर्टमंड। मैनचेस्टर सिटी रियाड माहेरेज और फिल फोडन द्वारा सेंकेंड हाफ में किए गए गोलों की मदद से डार्टमंड को हराकर चैम्पियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सिटी ने 4-2 के एग्रीगेट स्कोर के साथ अंतिम-4 में जगह बनाई। मैच के बाद सिटी के कोच पेप गुआर्डियोला ने कहा, हम सेमीफाइनल में पहुंचकर बेहद खुश हैं। यूरोप की चार श्रेष्ठ टीमों की जमात में शामिल होना गर्व की बात है। हम जिस तरह पहले हाफ के अंतिम 30 मिनट और दूसरे हाफ में जिस तरह से खेले, वह शानदार रहा। दूसरे चरण के क्वार्टर फाइनल की तरह सिटी ने पहले चरण के मुकाबले में सात अप्रैल को इसी अंतर से जीत हासिल की थी। उस मैच में सिटी के लिए केविन ब्रूएल ने 19वें और फोडन ने 90वें मिनट में गोल किया था। डार्टमंड के लिए एकमात्र गोल मार्को रेउस ने 84वें मिनट में किया था। दूसरे चरण के मुकाबले में डार्टमंड के लिए एकमात्र गोल जूड बेलिंघम ने 15वें मिनट में किया जबकि माहेरेज ने 55वें मिनट में हासिल पेनाल्टी पर गोल किया था। दूसरा गोल फोडन ने 75वें मिनट में किया।

ओलंपिक मेडल मिलने तक हमारा काम खत्म नहीं होगा : मनप्रीत

नई दिल्ली।

भारत की पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने टीम से यूरोप में होने वाले प्रो लीग मैचों और बाद में इस साल के होने वाले टोक्यो ओलंपिक में अपने अच्छे फॉर्म को जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। भारत ने ओलंपिक चैम्पियन अर्जेना पर 4-2 से जीत के साथ अपने दौरे का अंत किया। मनप्रीत ने कहा, अपने घरेलू मैदान पर अर्जेंटीना जैसी वास्तव में मजबूत टीम के खिलाफ जीतना बड़ी बात है। एक बड़ा आत्मविश्वास बूस्टर है, लेकिन हमें परिणामों में अधिक नहीं पड़ना चाहिए। हमें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जिनमें सुधार की आवश्यकता है। हमारा काम तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हम टोक्यो में पोडियम पर खड़े नहीं होते। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, इन मैचों के बाद, हमें लगता है कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर हमें सुधार करने की आवश्यकता है। जबकि हमने एक टीम के रूप में अच्छा किया था और एक मैच में अंतिम समय में वापसी की थी। हमें खेल का स्तर बनाए रखना होगा और हमेशा कोशिश करनी होगा कि दबाव विपक्षी टीम पर डालें रखें। भारतीय खिलाड़ी छह एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों के लिए यूरोप के लिए रवाना होने से पहले अगले हफ्ते बेंगलुरु में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया सेंटर में लौटेंगे। लंदन में 8 और 9 मई को ग्रेट ब्रिटेन से उसका सामना होगा और फिर 15 और 16 मई को वालेंसिया में स्पेन के खिलाफ डबल हेडर होगा। इसके बाद वे 22 और 23 मई को हैम्बर्ग में जर्मनी से खेलेंगे।

बेंगलोर में मेरी भूमिका ऑस्ट्रेलिया टीम के समान है : मैक्सवेल

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले रॉयल चेलेंजर बेंगलोर के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का कहना है कि उनकी बेंगलोर की टीम में भूमिका ऑस्ट्रेलिया टीम के ही समान है।मैक्सवेल ने आईपीएल के पिछले सीजन में 13 मैचों में 108 रन बनाए थे जिसके बाद पंजाब फ्रेंचाइजी ने उन्हें इस सीजन के लिए रिलीज कर दिया था और बेंगलोर नो उनको नीलामी में खरीदा था। हैदराबाद के खिलाफ 41 गेंदों पर 59 रन बनाने वाले मैक्सवेल ने कहा, अच्छी शुरूआत है। मेरे लिए यह नई फ्रेंचाइजी है और इन्होंने मेरी भूमिका तय की है। मेरे पीछे जो बल्लेबाज हैं वो बेहतरीन हैं और मेरा यहां वही रोल है जो ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए है। उन्होंने कहा, मुझे टास्क देने में कप्तान विराट कोहली अच्छे हैं। यह मेरी चौथी आईपीएल टीम है और मेरे पास अपना प्रभाव छोड़ने का दबाव है। मैक्सवेल ने तीन सीजन के बाद पहली बार अर्धशतक जड़ा है। इससे पहले उन्होंने आखिरी बार 2016 में अर्धशतक जड़ा था। 2017 और 2018 के सीजन में उनका सर्वाधिक स्कोर 57 रहा था जबकि 2019 के सीजन में वह शामिल नहीं थे।

हाईकोर्ट में सीआर पाटिल के खिलाफ याचिका दायर

सूरत ।

गुजरात में कोरोना महामारी के के बीच से रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर सियासत तेज हो गई है। बीते दिनों गुजरात भाजपा अध्यक्ष की ओर से सूरत भाजपा दफ्तर में ५ हजार रेमडेसिविर का इंजेक्शन का वितरण किया गया था। कोरोना संक्रमितों की इलाज के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन को रामबाण माना जाता है। इंजेक्शन की कमी के चलते मरीजों के रिश्तेदारों को कई दिनों तक लाइन लगाकर खड़े रहना पड़ता था। लेकिन भाजपा के पास इतनी बड़ी संख्या में इंजेक्शन कैसे आई इसे लेकर विवाद शुरू हो गया था। अब यह मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है। मिल रही जानकारी के अनुसार कांग्रेस नेता परेश धनाणी ने अधिवक्ता आनंद याग्निक के माध्यम से उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया है। जिसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रेमडेसिविर इंजेक्शन की अनधिकृत खरीद और वितरण के मामले पर जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोई भी व्यक्तिबिना फार्मेसी लाइसेंस के रेमडेसिविर इंजेक्शन को रख नहीं सकता है। चिकित्सक ही रोगियों के उपचार के लिए इस इंजेक्शन प्रिस्क्राइब कर सकता है। सीआर पाटिल के पास रेमडेसिविर इंजेक्शन का इतना बड़ा जत्था कहां से आया यह जानना जरूरू हो जाता है।

उल्लेखनीय है कोरोना इलाज में कारगर रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कमी गुजरात में दिन प्रतिदिन होती जा रही है। सूरत में भाजपा कार्यालय के बाहर इंजेक्शन के लिए लोगों की लंबी लाइनें लगी थी। गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल को विपक्ष ने रेमडेसिवीर इंजेक्शन को मुफ्त में बांटने को मामले को लेकर निशाना बनाया था। विपक्षी दल कांग्रेस अवैध ड्रग्स खरीदने और स्टॉक करने के मामले में पाटिल की गिरफ्तारी की मांग की थी। इतना ही नहीं गुजरात कांग्रेस ने पाटिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी मांग की थी। सूरत भाजपा कार्यालय में १० अप्रैल को रेमडेसिवीर इंजेक्शन पार्टी अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में निः शुल्क वितरण किया था। इस मामले के खिलाफ गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद नियमों का उल्लंघन करने के लिए पाटिल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल, विपक्ष के नेता परेश धनाणी और गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी भी शामिल थे।

मरीज की मौत के बाद बिल वसूली के लिए जब्त की कार

अस्पताल अधिकारियों ने मरीज की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव देने से इनकार कर दिया

वापी ।

कोरोना महामारी के इस दौर में जहां लोग एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आ रहे हैं और मानवता का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहे हैं।

वहीं गुजरात के वापी से एक ऐसी जानकारी सामने आ रही जिसे सुनकर मानवता भी शर्मसार हो गई है। वापी के निजी अस्पताल ने बिना बिल चुकाए कोरोना से पीड़ति एक मरीज के परिजनों को उसकी लाश देने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं अस्पताल ने रिश्तेदार की कार को भी जब्त कर लिया। अस्पताल अधिकारियों ने मरीज की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव देने से इनकार कर दिया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल अधिकारियों ने उन्हें पहले ही पूरा बिल देने के लिए कहा था। हालांकि उस समय परिवार के पास अपनी कार के अलावा कुछ नहीं था। इसलिए अस्पताल अधिकारियों ने कार को गिरवी रखने के बाद ही डेडबॉडी को परिवार वालों को सौंपा। जिसके बाद परिवार के लोगों ने पुलिस स्टेशन में अस्पताल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मृतक के परिवार की शिकायत के बाद जब पुलिस पहुंची तो कार को अस्पताल के अधिकारियों ने वापस कर दिया। इस सिलसिले में जानकारी देते हुए अस्पताल के एमडी डॉ। अक्षय नाडकर्णी का कहना है कि अस्पताल की ओर से बिल की रकम पहले से ही कम कर दी गई थी। लेकिन परिवार ने बिल का भुगतान किया ही नहीं था।

गुजरात बोर्ड की १०वीं और १२वीं की परीक्षाएं स्थगित

सरकार, शिक्षा विभाग १५ मई को स्थिति की समीक्षा करेंगे उसके बाद नई तारीखों की घोषणा की जाएगी

गांधीनगर ।

गुजरात सरकार ने कक्षा १० और कक्षा१२ की बोर्ड परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। १० मई से शुरू होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। राज्य सरकार, शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य अधिकारी १५ मई को स्थिति की समीक्षा करेंगे उसके बाद नई तारीखों की घोषणा की जाएगी। ऐसे करने के दौरान बोर्ड तैयारी के लिए छात्रों को कम से कम १५ दिन का समय देने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने कोरोना की मौजूदा स्थिति को देखते हुए १० और कक्षा १२ की परीक्षा जो १० मई से २५ मई के बीच आयोजित होने वाली थी उसके स्थगित कर दिया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में होने वाली एक बैठक में यह फैसला लिया गया।

राज्य सरकार ने कहा है कि कोरोना की स्थिति की समीक्षा के बाद परीक्षा की नई तारीखों की घोषणा १५ मई को की जाएगी। यह भी तय किया गया है कि छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए कम से कम १५ दिन का समय दिया जाएगा। सरकार नई तारीखों की घोषणा ऐसे वक्तपर करगी ताकि बच्चों को परीक्षा की तैयारी करने का मौका मिल सके। इस बैठक में यह भी फैसला किया गया है कि कक्षा एक से नौ, कक्षा ११ के बच्चों को मास प्रमोशन का भी निर्णय किया गया है। शिक्षा मंत्री शर्मा ने कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा २० मई तक स्थगित की गई है। मई के पहले सप्ताह में फैसला किया जाएगा कि परीक्षा करानी है या अन्य विकल्पों पर विचार करना है। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की परीक्षा १५ मई तक स्थगित की गई है।

१०८ बिना आते मरीज को भर्ती क्यों नहीं करते है

अहमदाबाद ।

कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है और प्रतिदिन केस में वृद्धि हो रही है ऐसे में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन संचालित अस्पताल में १०८ एंबुलेंस बिना आते मरीजों को भर्ती नहीं किए जाते होने का सामने आया है। जिसके सामने अहमदाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य और फ्रंटलाइन कोरोना योद्धा ऐसे डॉ. वसंत पटेल ने सवाल किया है। ऐसे मरीजों की यदि मौत होगी तो जिम्मेदार कौन होगा यह एक सबसे बड़ा सवाल उपस्थित हो रहा है।

अहमदाबाद की सरकारी और निजी अस्पताल में मरीज से भर रहे है। ऐसे में जिसने सबका ध्यान खींचा ऐसी बात सामने आ रही है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित एसवीपी अस्पताल में ६०० बेड की, एलजी अस्पताल में २०० बेड की और शारदाबेन अस्पताल में १०० से ज्यादा बेड कोरोना के मरीजों के लिए आवंटन किया गया है। लेकिन यह अस्पताल में १०८ एंबुलेंस के अलावा अन्य रूप से आने वाले मरीजों को भर्ती नहीं किए जाते होने का आरोप डॉ. वसंत पटेल ने लगाया है। डॉ. वसंत पटेल ने प्रशासन और प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ सवाल उठाते हुए कहा है कि, १०८ एंबुलेंस के अलावा आते मरीजों को किसलिए शारदाबेन अस्पताल, एसवीपी में भर्ती नहीं किया जाता है। १०८ एंबुलेंस के लिए कॉल करने का टेलिफोनिक वेटिंग बहुत लंबा होता है। यदि कोई व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव हो और वह होम क्वारंटाइन हुआ है। अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई और किसी वजह से एंबुलेंस पहुंचने में देरी हुई तब वह मरीज किसी भी माध्यम से अस्पताल में भर्ती होने के लिए पहुंचे यह भर्ती होना चाहिए। ऐसे समय में १०८ एंबुलेंस द्वारा ही मरीज भर्ती हो ऐसा आग्रह क्यों रखा जाता है।

इस प्रकार के नियम और कानून बनाने के पीछे तर्क क्या है। इस तरीके से भर्ती नहीं करके यदि मरीज की मौत होती है तो जिम्मेदार कौन ऐसे अन्याय भरे नियम बनाने वाले अधिकारियों को यह सेवा से मुक्त करने के लिए सरकार से अपील की है।

अंबानी परिवार का एक माह से जामनगर में डेरा

जामनगर ।

देश के जाने-माने कारोबारी मुकेश अंबानी का मुंबई स्थित मकान इन दिनों काफी चर्चा में है। अंबानी के आवास 'एंटीलिया' के बाहर विस्फोटकों से भरी स्कॉर्पियो की बरामदगी से जुड़े मामले की जांच एनआईए कर रही है। मामले में सामने आए नए खुलासे के बाद एनआईए ने सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे को गिरफ्तार कर लिया था।

विस्फोटक मामले को लेकर जहां हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ खबर आई है कि अंबानी परिवार पिछले एक महीने से एंटीलिया में रह ही नहीं रहा है। मिल रही जानकारी के अनुसार, अंबानी का पूरा परिवार इस समय गुजरात के जामनगर में रिलायंस टाउनशिप के बंगलों में रहता है।

हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन टाउनशिप के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसलिए माना जा रहा है कि यहां पर अंबानी परिवार रह रहा है। जानकारी ऐसी भी सामने आ रही है कि अंबानी परिवार का मुंबई छोड़ने के पीछे पहली वजह है कोरोना का बढ़ता आंतक और दूसरी वजह से घर के बाहर मिले विस्फोटक और मामले में गिरफ्तार सचिन वाजे को लेकर होने वाला खुलासा। गौरतलब है कि २५ फरवरी को अंबानी के आवास एंटीलिया के बाहर से विस्फोटकों से भरी स्कॉर्पियो मिली थी। मामले की जांच करते हुए एनआईए ने महाराष्ट्र पुलिस एपीआई सचिन वाजे को गिरफ्तार किया था। जांच अब महाराष्ट्र सरकार तक पहुंच गई है हर नए-नए चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इसीलिए माना जाता है कि अंबानी परिवार ने एंटीलिया को छोड़कर जामनगर रहने के लिए आ गया है।

इसके अलावा ऐसी भी चर्चा चल रही है कि मुंबई में कोरोना का कहर हर दिन बढ़ता जा रहा है इसलिए अंबानी परिवार ने महाराष्ट्र को छोड़कर गुजरात में रहने का फैसला किया है। लेकिन गुजरात में बीते कुछ दिनों से दैनिक मामले ७ हजार के पार दर्ज हो रहे हैं ऐसे में गुजरात को कैसे सुरक्षित माना जा सकता है।

गुजरात हाईकोर्ट ने रूपाणी सरकार को लगाई फटकार

सरकार की खिंचाई करते हुए कोर्ट ने कहा असलियत और सरकारी दावे में भारी अंतर दिखाई दे रहा है

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना की वजह से स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। गुजरात हाईकोर्ट कोरोना वायरस की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दायर जनहित याचिका पर आज एक बार फिर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जमकर फटकार लगाई है। कोर्ट ने इससे पहले की सुनवाई में रूपाणी सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि असलियत और सरकारी दावे में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ और जस्टिस भार्गव कारिया की खंडपीठ ने कहा कि १५-१६ मार्च के बाद से कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। दैनिक मामलों में अभी तक गिरावट दर्ज नहीं की गई है। राज्य सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए जिस गति से काम कर रही है उससे तेज गति से काम करने की जरुरत है। राज्य को ऑक्सीजन की आपूर्ति की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा कि बार-बार निर्देश के बावजूद स्थिति को नियंत्रण में नहीं लाया गया है। सरकार की ओर से उपस्थित महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने कहा, "हम १५ दिनों में जीएमडीसी में एक अस्पताल की स्थापना कर रहे हैं, जिसमें सभी सुविधाएं संभव हैं।" रेमडेसिविर का इंजेक्शन पर सख्त टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि डब्ल्यूएचओ कुछ ओर कह रही है आईसीएमआर कुछ ओर कह रही है लेकिन गुजरात में लोग रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी की वजह से परेशान नजर आ रहे हैं। महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने कोर्ट में दलील पेश करते हुए कहा कि राज्य सरकार कोरोना को लेकर काफी गंभीर और संवेदनशील है। सरकार की सभी मशीनरी ऊपर से नीचे तक कोरोना को काबू में करने के लिए लगा दी गई है। इतना ही नहीं जीएमडीसी में ड्राइव थ्रू टेस्ट अभियान शुरू किया गया है। इस दलील को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि हमें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं बल्कि राज्य सरकार ने ग्रामीण इलाकों में कोरोना पर काबू पाने के लिए क्या व्यवस्था की है उसकी जानकारी दी जाए।

हाईकोर्ट ने कहा अगर आप कहते हैं कि बेड खाली हैं तो मरीज क्यों लौट रहे हैं और लाइनें क्यों लग रही है। गुजरात हाईकोर्ट कोरोना वायरस की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दायर जनहित याचिका पर आज एक बार फिर सुनवाई करते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से जारी आंकड़ा कंफ्यू कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि असलियत और सरकारी दावे में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। कोर्ट ने मरीजों का सही आंकड़ा जारी नहीं करने का सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार दैनिक आंकड़ा गलत जारी कर रही है। इतना ही नहीं कोर्ट ने रूपाणी सरकार की अस्पताल, ऑक्सीजन और इंजेक्शन की कमी के मामले को लेकर खिंचाई की।

गांधीनगर के मुक्तिधाम में २४ घंटे जल रहे शव

गांधीनगर ।

कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने गुजरात में कोहराम मचा दिया है। हर दिन दैनिक मामले नए रिकॉर्ड बना रहे हैं, इतना ही नहीं मौत के आंकड़ों में भी भारी वृद्धि दर्ज की जा रही है।

मृतकों की संख्या में होने वाली वृद्धि की वजह से गांधीनगर के मुक्तिधाम में लगातार २४ घंटे शव को जलाने के लिए भट्ठी को जलाकर रखा जा रहा है। जिसकी वजह भट्ठी के अंदर का कोण पिघल गया जिसकी वजह भट्ठी को बंद करना पड़ा। मुक्तिधाम में २ अलग से भठ्ठी बनाई गाई है ताकि मुक्तिधाम में लोगों को अंतिम संस्कार के लिए इंतजार ना करना पड़े। मिल रही जानकारी के अनुसार कोरोना की वजह से मौतों की संख्या भी बढ़ रही है। गांधीनगर सेक्टर ३० में श्मशान गृह में कोरोना संक्रमित मरीजों के अंतिम संस्कार के लिए सीएनसी भट्ठी है। यहां हर दिन ३० से ४० कोरोना संक्रमित मरीजों का अंतिम क्रिया किया जाता है। जिसकी वजह से इन भट्टियों को २४ घंटों तक चालू रखना पड़ता है। लगातार भठ्ठी की जलने की वजह से दरवाजे का कोण पिघल गया है।

पिघला हुए कोण की मरम्मत उस वक्ततक नहीं की जा सकती जब तक कि यह पूरी तरह से भठ्ठी ठंडी न हो जाए। इसलिए मुक्तिधाम में दो अस्थायी भट्ठी बनाई गई है। जहां अन्य शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमित मरीज का आखिर में कार में ही मौत हुई

बनासकांठा ।

बनासकांठा जिले में कोरोना महामारी की असली वास्तविकता सामने आई है। उपचार के लिए जगह नहीं होने की वजह से और उपचार समय पर नहीं मिलने से पालनपुर की बनास कोविड अस्पताल के बाहर एक घंटे से निजी गाड़ी में चक्कर लगा रहे कोरोना संक्रमित मरीज की आखिर में मौत हुई। परिवार का आरोप है कि, बनास मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही की वजह से मरीज की मौत होने पर इसके परिजनों ने हंगामा किया। बनासकांठा की पालनपुर अस्पताल आगे उपचार के अभाव में एक कोरोना के मरीज की मौत होने की घटना सामने आई है। जिसमें चंडीसर गांव के एक व्यक्ति को देर रात को तबियत बिगड़ गई थी। जिसकी वजह से गुरुवार को सुबह में उनकी जांच कराने पर कोरोना हुए होने की जानकारी मिलने पर उनके परिजन उनको पालनपुर की बनास कोविड अस्पताल में लेकर आये थे।

लेकिन यह अस्पताल पहले से ही हाउसफुल थी। जिसकी वजह से अस्पताल में मौजूद रहे डॉक्टरों ने उनको भर्ती करने से मना कर दिया था। लेकिन मरीज की हालत गंभीर होने की वजह से उनके परिजनों ने मौजूद रहे डॉक्टरों को उनकी प्राथमिक उपचार करने के लिए काफी विनंती की। फिर भी लगातार एक घंटे तक पेशकश करने के बाद भी डॉक्टरों ने कोरोना ग्रस्त मरीज पर ध्यान नहीं दिया। जिसकी वजह से निजी गाड़ी में मरीज को लेकर आये थे। उसी गाड़ी में एक घंटे तक उपचार नहीं मिलने पर आखिर में मरीज ने दम तोड़ दिया। मरीज की मौत होने पर मृतक उनके परिजन नाराज हो गये और भारी हंगामा किया। मृतक मरीज के रिश्तेदार के बताये अनुसार हमारा मरीज एक घंटे से गाड़ी में गाड़ी में है। यह सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने बाहर आकर उनकी जांच नहीं की। हमें कहां जाने का सिविल में ही ऐसा जबाव दे तो हमें क्या करें।

नाइट कर्फ्यू में डांस करती युवती की विडियो वायरल

राजकोट ।

कोरोना की बिगड़ रही स्थिति की वजह से राजकोट सहित राज्य के २० बड़े शहर में फिलहाल नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। दूसरी तरफ नाइट कर्फ्यू के दौरान महिला कॉलेज चौक अंडरब्रिज क्राइम ब्रांच की ऑफिस के निकट एक युवती ने अपनी डांसिंग विडियो बनाये होने का सामने आया है।

हालांकि, कुछ ही घंटों में विडियो अपना होने का दावा करती युवती को विडियो डीलिट करना जरूरी हो गया यह जानकारी मिल रही है। राजकोट शहर में और एक बार नाइट कर्फ्यू का मुद्दा चर्चा में आया है। राजकोट शहर की मुख्य मानी महिला कॉलेज अंडरब्रिज के पास स्थित सर्विस रोड पर एक युवती ने अपनी डांसिंग विडियो बनाये जाने का सामने आया है। विडियो बनाने के बाद युवती ने इसे अपना इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किया था। बाद में पुलिस के डर से विडियो डिलीट कर देने की चर्चा हो रही है। दूसरी तरफ यह विडियो जबकि वायरल हुआ तब नाम के अकाउंट में से एक के बाद एक कॉमेंट करके युवती अपने बचाव के लिए पक्ष रखने का लगातार प्रयास कर रही है। युवती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट में ईमेल आइडी पीहू राठोड के नाम से शेयर किया है। इंस्टाग्राम अकाउंट में खुद युवती पब्लिक फिगर बता रही है। इसके साथ ही खुद प्रोफेशनल एंकर, मॉडल, अभिनेत्री, डबिंग आर्टिस्ट होने का बता रही है। युवती के इंस्टाग्राम अकाउंट में कुछ ही घंटों पहले ही डॉ. याज्ञिक रोड का भी एक विडियो अपलोड किया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)